संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

दैनिक घटती घटना

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 20,अंक -344 बुधवार,16 अक्टूबर 2024, पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

देश की संक्षिप्त खबरें

स्पेशल छात्रों को भी मिलेगा एमबीबीएस में एडमिशन

सुप्रीम कोर्ट ने कहा... एमएमसी अपने नियम बदले

नईदिल्ली, 15अक्टूबर 2024 (ए)। सुप्रीम कोर्ट ने 40-45 प्रतिशत बोलने और भाषा दिव्यांगता वाले उम्मीदवारों को एमबीबीएस में प्रवेश लेने का हकदार माना है। अपने एक आदेश में सर्वोच्च न्यायालय ने इसके पीछे की वजह भी बताई है. जस्टिस बी आर गवई और के वी विश्वनाथन की पीठ ने कहा कि बेंचमार्क विकलांगता का अस्तित्व ही किसी उम्मीदवार को एमबीबीएस कोर्स करने से नहीं रोक सकता है। विकलांगता मूल्यांकन बोर्ड द्वारा एक रिपोर्ट जारी की जानी चाहिए कि उम्मीदवार चिकित्सा शिक्षा प्राप्त करने में सक्षम नहीं है.सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि एनएमसी (नेशनल मेडिकल कमीशन) के वे नियम, जो सभी प्रकार की विकलांगता वाले उम्मीदवारों को मेडिकल शिक्षा से बाहर करते हैं, बहुत सख्त हैं। अदालत ने एनएमसी को निर्देश दिया है कि वे इन नियमों को बदलें और दिव्यांग वर्ग के उम्मीदवारों के लिए अधिक समावेशी और सहायक दृष्टिकोण अपनाएं।

एयर इंडिया के विमान में बम होने की सूचना से मची अफरातफरी

139 यात्रियों की अटकी सांसे

नईदिल्ली,15अक्टूबर 2024 (ए)। एयर इंडिया के विमान में बम होने की सूचना के बाद अफरातफरी मच गई। जिसके बाद फ्लाइट को सुरक्षित अयोध्या एयरपोर्ट पर उतारा गया। जानकारी के अनुसार विमान में 139 यात्री सवार थे। एयर इंडिया का विमान जयपुर से चला था। अधिकारियों के निर्देश पर अयोध्या के महर्षि वाल्मीकि एयरपोर्ट पर विमान की लैंडिंग कराई गई है। 24 घंटे के अंदर एयर इंडिया के विमान में बम रखने की दूसरी धमकी मिली है। कमिश्नर, एसएसपी और एसपी सिटी सहित सुरक्षा विभाग के अधिकारी मौके पर जांच कर रहे हैं। किसी को आकस्मिक उपचार के लिए कोई असुविधा न हो इसके लिए एयरपोर्ट पर सीएमओ डॉक्टर संजय जैन भी उपस्थित हैं फिलहाल अभी तक विमान में किसी भी प्रकार का बम नहीं मिला है।

महाराष्ट्र,राजस्थान,झारखण्ड में चुनाव का ऐलान

» महाराष्ट्र में सिंगल फेज में 20 नवंबर को चुनाव...

» झारखंड में दो फेज में 13 और 20 नवंबर को वोटिंग...

» नतीजे 23 नवंबर को...

नईदिल्ली,15अक्टूबर 2024 (ए)। महाराष्ट्र-झारखंड विधानसभा चुनाव का आधिकारिक ऐलान हो गया है। चुनाव आयोग के मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान दोनों राज्यों के विधानसभा चुनाव की तारीखों का खुलासा किया। महाराष्ट्र में सभी 288 सीटों पर एक चरण में 20 नवंबर को मतदान होगा, जबकि झारखंड में 13 और 20 नवंबर को दो चरणों में चुनाव होंगे।

288 सीटों वाली महाराष्ट्र विधानसभा का कार्यकाल 26 नवंबर को समाप्त हो रहा है, वहीं 81 सीटों वाली झारखंड विधानसभा का कार्यकाल 5 जनवरी 2025 को खत्म होगा। हाल ही में, मुख्य चुनाव आयुक्त के नेतृत्व में आयोग की टीम ने झारखंड का दौरा किया था।

जम्मू-कश्मीर में चुनाव के दौरान नहीं हुई हिंसा

प्रेस कॉन्फ्रेंस की शुरुआत में मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने हरियाणा और जम्मू-कश्मीर के मतदाताओं का धन्यवाद करते हुए कहा कि इन चुनावों में दिखाया गया जज्बा लंबे समय तक याद किया जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि जम्मू-कश्मीर में चुनाव के दौरान कोई हिंसा नहीं हुई।

झारखंड में कुल 2.6 करोड़ मतदाता

झारखंड में कुल 2.6 करोड़ मतदाता हैं, जहां 81 सीटें और 20,281 स्थानों पर 29,562 मतदान केंद्र होंगे। पहली बार वोट डालने वाले मतदाताओं की संख्या 11.8 लाख है।

उपचुनाव का भी ऐलान

दोनों राज्यों के चुनाव के साथ ही 3 लोकसभा और 13 राज्यों की 49 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव की संभावनाएं हैं। केरल की वायनाड सीट राहुल गांधी के इस्तीफे,महाराष्ट्र की नांदेड़ सीट कांग्रेस सांसद के निधन,और पश्चिम बंगाल की बशीरहाट सीट तृणमूल सांसद के निधन से खाली हुई हैं।

13 नवंबर को होंगे मतदान 23 नवंबर को मतगणना

चुनाव आयोग ने राजस्थान की 7 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव की तारीखों का ऐलान कर दिया है। उपचुनाव के तहत इन सीटों पर मतदान 13 नवंबर को होगा और 23 नवंबर को मतगणना की जाएगी।बता दें कि राजस्थान की दो सीटें मौजूदा विधायकों के निधन के बाद खाली हुई थीं, जबकि पांच सीटें विधायकों के सांसद बनने की वजह से खाली हुई हैं। इन कुल सात सीटों में से चार सीटें कांग्रेस, एक भाजपा, एक आरएलडी और एक अन्य पार्टी के पास थी। इन सभी सीटों पर उपचुनाव होंगे। सभी राजनीतिक दल इन सीटों पर अपनी-अपनी जीत का दावा कर रहे हैं।

महाराष्ट्र में कुल मतदाता 9.63 करोड़

राजीव कुमार ने बताया कि महाराष्ट्र में कुल 9.63 करोड़ मतदाता हैं, जिनमें 4.97 करोड़ पुरुष और 4.66 करोड़ महिला मतदाता हैं। पहली बार मतदान करने वाले मतदाताओं की संख्या 20.93 लाख है। राज्य में 1,00,186 मतदान केंद्र होंगे, और पीडब्ल्यूडी और महिलाओं द्वारा संचालित बूथ भी बनाए जाएंगे।

बिहार की चार विधानसभा सीटों पर भी उपचुनाव

महाराष्ट्र-झारखंड विधानसभा चुनाव के साथ ही बिहार की चार विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होंगे। ये सीटें तरारी, रामगढ़, बेलागंज, और इमामगंज हैं,जो हाल ही में लोकसभा चुनाव के कारण खाली हुई हैं। राजस्थान की 7 सीटों पर उपचुनाव की तारीखों का ऐलान हुआ।

चुनावों में फ्री देने के वादों को रिश्वत घोषित करने की मांग वाली याचिका पर एससी ने केंद्र और ईसी से मांगा जवाब

नईदिल्ली,15अक्टूबर 2024 (ए)। चुनावों में मुफ्त के वादों को रिश्वत घोषित करने मांग वाली याचिका पर मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव प्रचार के दौरान राजनीतिक दलों की तरफ से मुफ्त देने के वादे को रिश्वत घोषित करने की मांग वाली याचिका पर केंद्र और चुनाव आयोग को नोटिस जारी किया है। याचिका में यह भी अनुरोध किया गया है कि चुनाव आयोग ऐसे वादों पर अंकुश लगाने के लिए तत्काल कदम उठाए।

चुनाव आयोग को निर्देश देने की मांग

कोर्ट में दायर याचिका में कहा गया है कि चुनाव कुछ समय पूर्व राजनीतिक दल मुफ्त में कई सुविधाओं को देने का वादा करते हैं। ऐसे वादों को रोकने के लिए तत्काल और प्रभावी कदम उठाने के लिए चुनाव आयोग को निर्देश देने की भी मांग की गई है। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने केंद्र और चुनाव आयोग को नोटिस जारी किया और लंबित मामलों के साथ याचिका को भी टैग किया।

मुफ्त के वादे से बढ़ता है वित्तीय बोझ

कर्नाटक निवासी शशांक जे श्रीधर की तरफ से दायर जनहित याचिका में राजनीतिक दलों को चुनाव पूर्व अवधि के दौरान मुफ्त के वादे करने से रोकने के लिए तत्काल और प्रभावी कदम उठाने के लिए चुनाव आयोग को निर्देश देने की भी मांग की गई है। वकील विश्वादित्य शर्मा और बालाजी श्रीनिवासन के माध्यम से दायर याचिका में कहा गया है कि मुफ्त का अनियमित वादा सरकारी खजाने पर बेहिसाब वित्तीय बोझ डालता है।

याचिका में यह भी की गई है मांग

याचिका में यह घोषणा करने की मांग की गई है कि विधानसभा या आम चुनावों के दौरान राजनीतिक दलों द्वारा किए गए मुफ्त उपहारों का वादा, विशेष रूप से नकदी के रूप में चुनाव के बाद अगर उनकी पार्टी सरकार बनाती है तो उसे सरकारी खजाने से वित्त पोषित किया जाएगा। याचिका में कहा गया है कि जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 के तहत रिश्वत की पेशकश के जरिए वोट देने के लिए प्रेरित करने का भ्रष्ट आचरण बनता है। इसमें कहा गया है कि राजनीतिक दल अक्सर इस तरह की मुफ्त सुविधाओं की घोषणा करते हैं, बिना यह बताए कि इन वादों को कैसे वित्त पोषित किया जाएगा।

मतदाताओं को लेकर कही गई ये बात

याचिका में यह भी कहा गया है कि पारदर्शिता की कमी के कारण या तो ऐसे वादों को पूरा करने में सरकारें विफल साबित होती हैं। इससे मतदाताओं के साथ धोखाधड़ी होती है। याचिकाकर्ता ने कहा कि मुफ्त का चलन स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव के सिद्धांत को कमजोर करता है। जहां मतदाता उम्मीदवारों की नीतियों या शासन रिकॉर्ड से नहीं, बल्कि तत्काल व्यक्तिगत लाभ के आकर्षण से प्रभावित होते हैं।

बाबा सिद्दीकी की हत्या के दौरान घायल राज कनौजिया ने प्रशासन से मांगी मदद

मुंबई,15अक्टूबर 2024 (ए)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकंपा) नेता बाबा सिद्दीकी गोलीकांड में 22 साल का युवक राज कनौजिया घायल हो गया था। उसका अस्पताल में इलाज चल रहा है और उसने प्रशासन से मदद की अपील की है।

गोलीबारी में राज के पैर में गोली लगी थी, जिसके बाद उसे इलाज के लिए बांद्रा स्थित भाभा अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अस्पताल में राज का इलाज चल रहा है, डॉक्टरों ने उनकी सर्जरी भी की है।

राज ने बताया कि वह दशहरा के मौके पर देवी मां के दर्शन करने आया था। सिलाई का काम करता है और उस दिन वह जूस पी रहा था, तभी अचानक पीछे से आवाज आई, और मुझे लगा कि पटाखे फट रहे हैं। इसी दौरान मेरे पैर में एक झटका लगा,लेकिन मैंने देखा कि मेरे पैर से खून बह रहा था। भगदड़ मच गई और लोगों ने चिल्लाना शुरू कर दिया कि फायरिंग हो रही है। मैं अपने दोस्त के साथ मंदिर तक गया, जहां प्रशासन के कुछ लोग थे। उन्होंने मुझे मंदिर के अंदर बैठाया और फिर अस्पताल तक पहुंचाया। अस्पताल में मेरी सर्जरी हुई। राज ने प्रशासन से आर्थिक मदद की अपील की है। उसने कहा है कि फरवरी में उसकी शादी होने वाली है लेकिन फिलहाल वो अपने पैरों पर खड़े होने की स्थिति में नहीं है। उसने कहा, हालत ऐसी है कि मैं दो महीने तक कुछ नहीं कर पाऊंगा। अगर आप लोग मेरी मदद कर सकें तो बहुत अच्छा होगा।

सलमान खान ही नहीं,लॉरेंस बिश्नोई की हिट लिस्ट में और कौन-कौन है ?

» एनआईए ने किए कई चौंकाने वाले खुलासे

मुंबई,15अक्टूबर 2024 (ए)। मुंबई में एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या के बाद गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई को लेकर कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। राष्ट्रीय जांच एजेंसी की पूछताछ में लॉरेंस ने अपने पांच प्रमुख टारगेट्स का खुलासा किया, जिसमें सबसे पहला नाम बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान का है। लॉरेंस ने बताया कि वह सलमान खान को काले हिरण शिकार मामले में निशाना बनाना चाहता था और इसके लिए कई बार उनके घर की रेकी करवाई थी। एक बार तो उनके घर पर फायरिंग भी की गई थी।

लॉरेंस बिश्नोई की हिट लिस्ट में ये नाम हैं शामिल

सलमान खान: लॉरेंस बिश्नोई ने खुलासा किया कि उसकी नाराजगी सलमान खान से काले हिरण शिकार मामले को लेकर है। उसने दो बार उनके घर की रेकी करवाई और एक बार फायरिंग करवाई थी।

सगुनप्रीत सिंह: सिद्धू मूसावाला के मैनेजर सगुनप्रीत सिंह भी लॉरेंस के निशाने पर हैं। लॉरेंस का आरोप है कि सगुनप्रीत ने उसके करीबी विक्की मिद्दुखेड़ा के हत्यारों को शरण दी थी।

कौशल चौधरी: गुरुग्राम जेल में बंद गैंगस्टर कौशल चौधरी भी लॉरेंस की हिट लिस्ट में है। लॉरेंस का दावा है कि कौशल ने मिद्दुखेड़ा के हत्यारों की मदद की थी।

अमित डागर: बंबीहा गैंग के हेड अमित डागर, जिसने विक्की मिद्दुखेड़ा की हत्या की साजिश रची थी, भी लॉरेंस के निशाने पर है।

मनदीप धालीवाल: गैंगस्टर मनदीप धालीवाल, जो लक्की पटियाल का करीबी है, भी लॉरेंस की हिट लिस्ट में शामिल है। लॉरेंस का कहना है कि मनदीप ने मिद्दुखेड़ा के हत्यारों को मदद दी थी।

लॉरेंस गैंग की तुलना 'डी कंपनी' से

एनआईए ने लॉरेंस बिश्नोई के गैंग की तुलना अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम की 'डी कंपनी' से की है। एजेंसी का कहना है कि लॉरेंस का टेरर सिंडिकेट न सिर्फ भारत बल्कि विदेशों में भी सक्रिय है। हालांकि, इस समय लॉरेंस गुजरात की साबरमती जेल में बंद है, लेकिन उसके गैंग का नेटवर्क इतना मजबूत हो गया है कि वे जेल से ही अपराधों को अंजाम दे रहा है।

महाराष्ट्र चुनाव में भूपेश बघेल,टीएस सिंहदेव को मिली बड़ी जिम्मेदारी

नई दिल्ली,15अक्टूबर 2024 (ए)। महाराष्ट्र विधानसभा के होने जा रहे चुनाव में कांग्रेस ने प्रमुख नेताओं को महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों का बंटवारा किया है। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और सचिन पायलट को पार्टी ने बड़ी जिम्मेदारी सौंपी हैं। अशोक गहलोत को जी परमेश्वर के साथ मुंबई और कोंकण डिवीजन का सीनियर ऑब्जर्वर नियुक्त किया गया है, जबकि सचिन पायलट और उत्तम कुमार रेड्डी को मराठवाड़ा डिवीजन का सीनियर ऑब्जर्वर बनाया गया है।

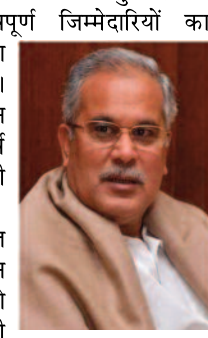

इसी तरह छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी और उमंग सिंघार को विदर्भ (अमरावती और नागपुर) का सीनियर ऑब्जर्वर नियुक्त किया गया है। वहीं वेस्ट महाराष्ट्र की जिम्मेदारी छत्तीसगढ़ के पूर्व डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव और एमबी पाटील को सौंपी गई है, जबकि नॉर्थ महाराष्ट्र में सैयद नासिर हुसैन और अनसूया सीतक्का को सीनियर ऑब्जर्वर नियुक्त किया गया है।

पूर्व सीजेआई रंजन गोगोई के खिलाफ आई जनहित याचिका को एससी ने किया खारिज

नई दिल्ली,15अक्टूबर 2024 (ए)। देश के पूर्व प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) रंजन गोगोई पर लगाए गए आरोपों से अप्रसन्न उच्चतम न्यायालय ने एक याचिकाकर्ता की याचिका मंगलवार को खारिज कर दी और सुरक्षा कर्मियों को उसे अदालत कक्ष से बाहर ले जाने का आदेश दिया। अरुण रामचंद्र हुबलीकर ने शीर्ष अदालत में सेवा से अपनी अवैध बर्खास्तगी के खिलाफ याचिका दायर की और सेवा विवाद में अतीत में दाखिल अर्जी को खारिज करने के लिए पूर्व प्रधान न्यायाधीश गोगोई के खिलाफ आंतरिक जांच कराने का अनुरोध किया।

न्यायमूर्ति ने दिखाया याचिकाकर्ता को बाहर का रास्ता

आरोपों से नाराज न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी और न्यायमूर्ति सतीष चंद्र शर्मा की पीठ ने सुरक्षा कर्मियों से हुबलीकर को अदालत कक्ष से बाहर ले जाने का आदेश दिया।

कोर्ट ने लगाया जुर्माना

मंगलवार को सुनवाई के दौरान जब याचिकाकर्ता ने पूर्व सीजेआई का नाम लिया, तो पीठ नाराज हो गई। उसने कहा कि हम आप पर जुर्माना लगाने जा रहे हैं। किसी भी न्यायाधीश का नाम न लें। आपके मामले में कोई दम नहीं है। हालांकि, याचिकाकर्ता ने विरोध किया और कहा कि आप कैसे कह सकते हैं कि मेरे मामले में कोई दम नहीं है। यह कैसे कहा जा सकता है। यह मेरे खिलाफ अन्याय है। मरने से पहले कम से कम मुझे न्याय तो मिलना चाहिए।

बीमारियों की दवाईयां होंगी महंगी

सरकार ने क्यों लिया फैसला

नई दिल्ली,15अक्टूबर 2024 (ए)। अस्थमा, ग्लूकोमा, थैलेसीमिया, ट्यूबर कुलोसिस और मानसिक स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों के इलाज में जरूरी कई दवाओं की कीमतें बढ़ सकती हैं। दरअसल, सरकार ने इनकी सीलिंग प्राइस में 50 प्रतिशत बढ़ोतरी को मंजूरी दे दी है. यह फैसला क्यों लिया गया, सरकार ने इस बारे में भी बताया है. एक बयान में कहा गया, राष्ट्रीय दवा मूल्य निर्धारण प्राधिकरण को दवा सामग्रियों की बढ़ती लागत, बढ़ती उत्पादन लागत, विनिमय दरों में बदलाव और दूसरे कई कारणों का हवाला देते हुए कीमतों में वृद्धि के लिए निर्माताओं से आवेदन प्राप्त हो रहे हैं। इसके चलते दवाओं का लगातार उत्पादन और उपलब्धता संभव नहीं है।कंपनियों ने कुछ फॉर्मूलेशनों को उनकी व्यवहार्यता के कारण बंद करने का भी आवेदन किया है।

संपादकीय

भारत के कई शहर साइबर अपराधियों का केंद्र

मैपिंग ग्लोबल जियोग्राफी ऑफ साइबर क्राइम विद द वर्ल्ड साइबर क्राइम इंडेक्स शीर्षक से जारी शोध रिपोर्ट में विशेषज्ञों ने बताया कि कहां साइबर अपराध सबसे ज्यादा हो रहे हैं। इस सूची में 15 देशों के नाम हैं, जिसमें भारत दसवें स्थान पर आया है। वर्धमान ग्रुप के 82 वर्षीय चेयरमैन के साथ हुई घटना ने भारत में बढ़ते साइबर अपराध की ओर ध्यान खींचा है। चेयरमैन एसपी ओसवाल के साथ लगभग 6.9 करोड़ रुपये की ठगी हुई। ठगों ने उन्हें सुप्रीम कोर्ट की नकली ऑनलाइन सुनवाई में बुलाया और जेल भेजने की धमकी देकर उनसे यह रकम ट्रांसफर करवा ली। हालांकि हाल में डिजिटल और ऑनलाइन धोखाधड़ी के अनगिनत मामले सामने आए हैं, लेकिन सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई का नाटक कर ठगने की बात पहले कभी नहीं सुनी गई थी।ऑनलाइन कोर्ट सुनवाई में एक व्यक्ति प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ बन कर पेश हुआ। इसी दौरान उनसे कहा गया कि जांच के हिस्से के रूप में वे 6.9 करोड़ रुपये एक खाते में जमा करा दें। कुछ समय पहले भारत सरकार ने साइबर अपराधों के बारे में चेतावनी जारी की थी। गृह मंत्रालय ने कहा था कि संभव है ऐसी घटनाओं को सीमा पार स्थित आपराधिक गिरोह अंजाम दे रहे हों। एनसीआरबी के मुताबिक 2021 में भारत में साइबर अपराध के 52,974 मामले दर्ज हुए। 2022 में इनमें लगभग 24 फीसदी बढ़ोतरी हुई और कुल 65,893 मामले दर्ज हुए। ब्रिटेन की ऑक्सफॉर्ड यूनिवर्सिटी के समाजशास्त्र विभाग के शोधकर्ताओं ने इसी साल दुनिया का पहला साइबर क्राइम इंडेक्स जारी किया। उसमें भारत को खास जगह मिली। मैपिंग ग्लोबल जियोग्राफी ऑफ साइबर क्राइम विद द वर्ल्ड साइबर क्राइम इंडेक्स' शीर्षक से जारी शोध रिपोर्ट में विशेषज्ञों ने बताया कि कहां साइबर अपराध सबसे ज्यादा हो रहे हैं। इस सूची में 15 देशों के नाम हैं, जिसमें भारत दसवें स्थान पर आया है।हालांकि केंद्रीय गृह मंत्रालय ने साइबर अपराध की घटनाओं को विदेश से अंजाम दिए जाने का संदेह जताया है, लेकिन ऐसी मीडिया रिपोर्टें हैं, जिनके मुताबिक भारत के कई शहर साइबर अपराधियों का केंद्र बन गए हैं। छोटी-मोटी घटनाएं तो रोजमर्रा के स्तर पर हो रही हैं। असल मुद्दा यह है कि सरकार की साइबर अपराध निरोधक एजेंसियां इन्हें रोकने में कामयाब क्यों नहीं हुई हैं? अगर अपराध का जाल फैला रहेगा, तो कभी-कभार वैसी वारदात भी होना लाजिमी है, जिसके शिकार ओसवाल बने हैं।

अगली सदी की गाथा और अर्थव्यवस्था पर प्रभुत्व के लिए भारत की कुंजी

पश्चिमी देशों ने नवाचार,बौद्धिक संपदा (आईपी) और तकनीकी प्रगति पर सदियों से अपना फोकस निरंतर बनाए रखने का लाभ उठाया है। अक्सर विनिर्माण और सेवा की तुलना में सृजन को महिमामंडित करके, इन देशों ने न केवल अपने आविष्कारों का आर्थिक लाभ प्राप्त किया है, बल्कि अपनी अवधारणाओं को वैश्विक स्तर पर निर्यात भी किया है। इन उपायों से वे आर्थिक महाशक्ति के रूप में स्थापित हुए हैं। उदाहरण के लिए, अमेरिका ने इंटरनेट, फार्मास्यूटिकल और एयरोस्पेस जैसी विघटनकारी तकनीकों के माध्यम से उद्योग जगत को बदल दिया। इसके परिणाम स्वरूप, उनके उत्पादों और सेवाओं की वैश्विक मांग पैदा हुई। इसी तरह, यूरोपीय देशों ने इंफ्रास्ट्रक्चर (जैसे-रेलमार्गों के आर्थिक लाभ), ऑटोमोटिव इंजीनियरिंग और लक्जरी सामान जैसे क्षेत्रों में नेतृत्व किया है, जहां नवाचार और बौद्धिक संपदा (आईपी) उनके वैश्विक प्रभुत्व के मूल में हैं। इसके विपरीत, भारत और चीन जैसी अर्थव्यवस्थाओं ने ऐतिहासिक रूप से विनिर्माण और सेवाओं पर अपने विकास को टिकाया है। यह दोनों ही क्षेत्र मूल्य-संवर्धन के परिदृश्य में निचले स्थान पर हैं। यह दृष्टिकोण, औद्योगिकीकरण और रोजगार सृजन को बढ़ावा देने के लिए प्रभावी होने के बावजूद, नवाचार या आईपी सृजन को प्राथमिकता नहीं देता है। वास्तव में बौद्धिक संपदा आर्थिक लाभ उठाने योग्य है। यही कारण है कि ये देश उन्नत प्रौद्योगिकियों के निर्माता बनने के बजाय उपभोक्ता बन गए हैं।हालांकि, चीन ने हाल के वर्षों में इस मॉडल को तोड़ दिया है। इसने नवाचार, बौद्धिक संपदा और तकनीकी प्लेटफार्मों में बड़े पैमाने पर निवेश किया है। देश ने दूरसंचार, सोशल मीडिया और गेमिंग जैसे क्षेत्रों में अत्याधुनिक तकनीकों का विकास किया है। हुआवेई, टिकटोक और टेंसेंट जैसी वैश्विक दिग्गज कंपनियां इसके उदाहरण हैं। इन प्रयासों ने चीन की घरेलू अर्थव्यवस्था को मजबूत किया है। इतना ही नहीं, इसे एक मजबूत वैश्विक निर्यातक के रूप में स्थापित किया है, और इसे दुनिया भर के अमूल्य डेटा तक पहुंच प्रदान की है।दूसरी ओर, भारत ने एक अलग तीव्र प्रगति का अनुसरण किया। उत्पादीकरण और प्रौद्योगिकी निर्माण पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय, भारत संपर्क केंद्रों, वैश्विक क्षमता केंद्रों (जीसीसी) और आईटी सेवाओं का पर्याय बन गया। इस स्थिति ने भारत को दुनिया का बैकरूम का नाम दिया। यह एक ऐसी भूमिका है, जिसने आर्थिक रूप से लाभकारी होने के बावजूद, नवाचार और उच्च-मूल्य प्रौद्योगिकी निर्माण के मामले में देश को पिछड़ा बना दिया। जबकि भारत ने सेवाएं प्रदान करने में उत्कृष्टता हासिल की, इसने अक्सर अन्य देशों के नवाचार और उत्पाद विकास से जुड़े प्रयासों का नेतृत्व करने के बजाय उनका समर्थन किया।हालांकि, पिछले दशक में भारत के वैश्विक रुख में एक महत्वपूर्ण बदलाव देखा गया है। भारत एक भू-राजनीतिक शक्ति के रूप में उभरा है और इसने विभिन्न क्षेत्रों में अपनी ताकत दिखाई है। कूटनीतिक रूप से, भारत ने वैश्विक मंच पर एक अधिक मुखर स्थिति अपनाई है, अंतरराष्ट्रीय मामलों में अपनी स्वायत्तता बनाए रखते हुए प्रमुख शक्तियों के साथ रणनीतिक साझेदारी भी कायम की है। भू-राजनीतिक क्षेत्र में, भारत ने अपनी रक्षा क्षमताओं को मजबूत किया है और क्वाड जैसी पहलों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, ताकि भारत-प्रशांत क्षेत्र में चीन के प्रभाव का मुकाबला किया जा सके। व्यापार के मोर्चे पर, भारत ने व्यापार सौदों पर फिर से बातचीत की है और इसे

खासकर कोविड-19 महामारी के कारण वैश्विक व्यवधानों के मद्देनजर वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में एक महत्वपूर्ण हस्ती के रूप में देखा जा रहा है। यह नई मुखरता इस बात को निहित करती है कि भारत का क्रिएट इन इंडिया पर वर्तमान ध्यान समयोचित और रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण क्यों है। नवाचार की संस्कृति को बढ़ावा देने और स्वदेशी प्रौद्योगिकियों के विकास का समर्थन करके, भारत आर्थिक रूप से और सॉफ्ट पावर के मामले में, अगली सदी पर प्रभुत्व कायम करने के लिए खुद को तैयार कर रहा है। आर्थिक रूप से, सृजन पर ध्यान केंद्रित करने से भारत मूल्य श्रृंखला में ऊपर उठ सकेगा,अपनी बौद्धिक संपदा पर अधिक लाभ अर्जित कर सकेगा और विदेशी प्रौद्योगिकियों पर अपनी निर्भरता कम कर सकेगा। सॉफ्ट पावर के मामले में, मीडिया और मनोरंजन जैसे क्षेत्रों में अग्रणी होने से भारत को विकृत पश्चिमी कथानकों पर लगातार प्रतिक्रिया करने के बजाय अपने खुद के कथानकों को आकार देने की सुविधा मिलेगी। जब प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आह्वान किया,आइए हम सब मिलकर क्रिएट इन इंडिया' यानी भारत में सृजन करें आंदोलन शुरू करें। ऐसे में हर कोई इसके दूसरे और तीसरे क्रम के प्रभावों, खासकर कथानक-सुधार और हमारे सभ्यतागत विचारों को वैश्विक स्तर पर निर्यात करने पर पडने़ वाले प्रभाव को नहीं समझ पाया। ईस्टमैन कलर और विनाइल रिकॉर्ड की प्रौद्योगिकियों ने अमेरिका को अपने नायकों और रॉकस्टार को आगे बढ़ाने में मदद की। एक्सआर और गेमिंग का युग भारत को अपने नायकों और रॉकस्टार को आगे बढ़ाने में मदद करेगा। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने हाल ही में वर्ल्ड ऑडियो विजुअल एंड एंटरटेनमेंट समिट (वेव्स) 2025 के तत्वावधान में क्रिएट इन इंडिया चैलेंज की घोषणा की। यह एक अनूठा आयोजन है, जो दुनिया के सामने हमारे एवीजीसी सेक्टर के भविष्य को दर्शाता है। यह ब्रॉड स्पेक्ट्रम चैलेंज 25 प्रकार के कंटेंट और गेम में हमारी सर्वश्रेष्ठ प्रतिभा को प्रदर्शित करती है। भारत को ऐसे और भी दृश्यमान समारोहों की आवश्यकता है। अब समय आ गया है कि दुनिया हमारी रचनात्मकता और हमारी महत्वाकांक्षा को देखे।हालांकि, इस क्षमता के द्वार को पूरी तरह से खोलने के लिए, भारत को भी भारी निवेश करना होगा। एवीजीसी सेक्टर डिजिटल इंटरैक्शन और मनोरंजन के भविष्य का प्रतिनिधित्व करता है। भविष्य के इस द्वार को खोलने के लिए कौशल-विकास, निवेश पाइपलाइन, ऐसे प्लेटफॉर्म हैं, जो मायने रखते हैं। इसके लिए एक प्रगतिशील नियामक प्रणाली के साथ-साथ और भी कई आवश्यकताएं हैं। यह वास्तव में एक कठिन काम है। लेकिन यहां गंगोत्री स्थापित करके, भारत आने वाले वर्षों के लिए वैश्विक अर्थव्यवस्था और कथानक में अपना नेतृत्व सुनिश्चित कर सकता है।नीतिगत मामलों के विशेषज्ञ और ऑपएड स्तंभकार हैं। उनका लेखन वाशिंगटन पोस्ट, बीबीसी, वाइस, द डिप्लोमैट, फाइनेंशियल एक्सप्रेस, संडे गार्जियन, स्पैन, ऑर्गनाइजर और पांचजन्य में छप चुका है।

-अनुराग सक्सेना-

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

जन्मदिन विशेष:अब्दुल कलाम

सीमा लोहिया
झुंझुनू
राजस्थान

पूर्व राष्ट्रपति अब्दुल कलाम का जन्म दिवस 15 अक्टूबर को आता है।इसे अन्तर्राष्ट्रीय विद्यार्थी दिवस के रूप में मनाते हैं। क्योंकि अब्दुल कलाम की जीवनी किसी भी विद्यार्थी के लिए एक प्रेरणादायक प्रकाशस्तंभ है। साधारण परिवार में जन्मे कलाम का जीवन हमें सिखाता है कि परिस्थितियाँ चाहे कैसी भी हों, अगर संकल्प और मेहनत हो, तो कुछ भी असंभव नहीं। रामेश्वरम जैसे छोटे से गांव में उनका जन्म हुआ, लेकिन उन्होंने अपने सपनों को कभी सीमाओं में नहीं बाँधा। बचपन में अख़बार बेचने से लेकर देश के राष्ट्रपति बनने तक की उनकी यात्रा हर विद्यार्थी के लिए यह संदेश है कि सफलता केवल समर्पण और प्रयास से ही मिलती है।कलाम जी का जीवन विद्यार्थियों को बताता है कि हर असफलता सीखने का एक अवसर होती है। वह कई बार अपने लक्ष्यों तक पहुंचने में असफल हुए, परंतु उन्होंने कभी हार नहीं मानी। उनके जीवन का यह महत्वपूर्ण सबक हमें यह समझाता है कि असफलता के बाद भी निरंतर प्रयास करना ही सच्ची सफलता की कुंजी है। उन्होंने यह भी सिखाया कि शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह जीवन जीने की कला है। उनके विज्ञान में योगदान ने यह सिद्ध किया कि असंभव शब्द केवल सोच का एक भ्रम है। अपने जीवन में उन्होंने युवाओं को सदैव यही प्रेरणा दी कि जीवन में जो भी कार्य करो, उसे पूरे दिल से करो।

सपने वो नहीं होते जो हम सोते समय देखते हैं, सपने वो होते हैं जो हमें सोने नहीं देते। यह उक्ति विद्यार्थियों को बताती है कि उन्हें अपने लक्ष्यों के प्रति जागरूक और समर्पित रहना चाहिए। कलाम जी का जीवन इस बात का प्रमाण है कि यदि हम अपने सपनों का पीछा सच्ची लगन और मेहनत से करें, तो हर सपना पूरा हो सकता है। उनके जैसे आदर्श व्यक्ति के जीवन से यह प्रेरणा मिलती है कि आत्म-निर्भरता, अनुशासन और सच्ची मेहनत के साथ हर विद्यार्थी अपनी जिंदगी में बड़ी ऊँचाइयों तक पहुंच सकता है।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

बांग्लादेश में हिन्दुओं पर अत्याचार,सख्त कार्रवाई की दरकार

बांग्लादेश में हिंदू मंदिरों एवं हिन्दुओं पर हो रहे हमलें,मशहूर जेशोश्वरी मंदिर में मुकुट का चोरी होना,हिन्दू अल्पसंख्यकों से जबरन इस्तीफा के लिये दबाव बनाने की घटनाएं, दुर्गा पूजा के पंडाल पर हमले चिन्ता के बड़े कारण हैं, यह हिन्दू अस्तित्व एवं अस्मिता को कुचलने की साजिश एवं षडयंत्र है, जिस पर भारत सरकार को गंभीर होने के साथ इन पर नियंत्रण की ठोस कार्रवाई की अपेक्षा है। बीते अगस्त में शुरू हुई राजनीतिक उथल-पुथल के बीच शेख हसीना का प्रधानमंत्री पद से हटना और भारत आने के बाद बांग्लादेश में भारत विरोधी गतिविधियों को असामाजिक तत्वों व कट्टरपंथियों द्वारा हवा दिया जाना शर्मनाक एवं विडम्बनापूर्ण है। नई दिल्ली में बांग्लादेश के हिन्दू-अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के प्रश्न को लेकर बार-बार चिंता तो व्यक्त की जा रही है, लेकिन करारा एवं सख्त संदेश देने की कोई कोशिश होती हुई नहीं दिख रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं भाजपा सरकार के शासन में यदि ऐसी घटनाओं पर सख्ती नहीं बरती गयी तो फिर कब बरती जायेगी? यह विडंबना ही है कि नोबेल शांति पुरस्कार विजेता व कार्यवाहक रूप में सरकार के मुखिया का दायित्व निभा रहे मोहम्मद यूनुस के कार्यकाल में हिन्दुओं एवं हिंदू पहचान के प्रतीकों को निशाना बनाया जाना बदस्तूर रहना किसी अन्तर्राष्ट्रीय साजिश का हिस्सा हो सकता है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने नागपुर में विजयदशमी पर्व पर आयोजित रैली को सम्बोधित करते हुए हिन्दुओं पर हो रहे इन हमलों को लेकर बड़ा संदेश दिया है, अपेक्षा है सरकार भी जैसे को तैसे वाली स्थिति में आकर हिन्दुओं की रक्षा की सार्थक एवं प्रभावी पहल करें।

बांग्लादेश की आबादी में 7.95 फीसदी-सवा करोड़ से ज्यादा हिंदू शामिल हैं। पाकिस्तान और अफगानिस्तान में हिंदुओं के खिलाफ जो कुचक्र रचे गये, उसी तरह की साजिश बांग्लादेश में सिर उठा रही है। एक रिपोर्ट के मुताबिक पिछले दो महीने में बांग्लादेश के 52 जिलों में हिंदू समुदाय पर हमले की 200 से ज्यादा घटनाएं हुई। आज बांग्लादेश सांप्रदायिकता एवं कट्टरता की आग में झुलस रहा है। सांप्रदायिकता और धार्मिक कट्टरता लोकतंत्र के लिए सबसे बड़ा खतरा है। दोराहे पर खड़े बांग्लादेश में यह खतरा बढ़ता जा रहा है। खतरे की गंभीरता को देखते हुए वहां अंतरिम सरकार ने हिंदू मंदिरों, गिरजाघरों या अल्पसंख्यकों के किसी भी धार्मिक संस्थान पर हमलों की जानकारी देने के लिए हॉटलाइन शुरू की थी, लेकिन कितनी ही शिकायतें मिलने के बावजूद उन पर कार्रवाई का न होना, इनको लेकर मोहम्मद यूनुस सरकार का चुप्पी साधे रखना इस समस्या को गंभीर बना रहा है। बांग्लादेश के कट्टरपंथी वहां के हिंदुओं के लिए ही नहीं, भारत की सुरक्षा के लिए भी खतरा बन रहे हैं। इन हमलों एवं कट्टरतावादी शक्तियों का सक्रिय होना भारत एवं बांग्लादेश दोनों ही देशों के लिये खतरनाक है। कट्टरपंथियों के निरंकुश बने रहने से वहां की सरकार के इरादे और इच्छाशक्ति सवालों के घेरे में है।

भारत ने उचित तरीकों से ही इन घटनाओं को बेहद गंभीर बताते हुए इन पर न केवल चिंता जताई बल्कि अपनी आपत्ति भी दर्ज कराई। गौर करने की बात है कि अल्पसंख्यकों की सुरक्षा का यह मसला धीरे-धीरे दोनों देशों के रिश्तों में खटास घोलते हुए एक अहम फैक्टर बनता जा रहा है। दुर्गापूजा के पंडाल में बम फेंके जाने की खबर स्वाभाविक ही बांग्लादेशी हिंदू बिरादरी को सहमा एवं डरा देने वाली है। जेशोश्वरी मंदिर में मां काली के ताज की चोरी इस मायने में भी अहम है कि यह ताज 2021 में अपनी यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तोहफे के तौर पर दिया था। यही नहीं, गुरुवार को चटगांव में दुर्गापूजा के दौरान कुछ लोगों द्वारा जबरन इस्लामी क्रांति के गीत गाए जाने की भी खबर आई। ऐसे में भारत अगर इन घटनाओं के पीछे सुनियोजित साजिश की आशंका जता रहा है तो उसे निराधार नहीं कहा जा सकता। ऐसे में लगातार बिगड़ती स्थितियों में यूनुस और उनके सहयोगियों को शासन और कूटनीति से जुड़े गंभीर मसलों पर परिपक्वता दिखानी होगी। आंदोलन से जुड़े गैर जिम्मेदार तत्व अनाप-शनाप आरोप लगाएं तो कुछ हद तक समझा जा सकता है लेकिन अगर शासन में बैठे लोग भी इन तत्वों का समर्थन करते हुए दिखें तो उसे सही नहीं कहा जा सकता। यह एक अराजकता की स्थिति है। बांग्लादेश में बद से बदतर हो रहे हालात एवं हिंदुओं पर लगातार हो रहे अत्याचार, उत्पीड़न, हमलों को लेकर संघ प्रमुख मोहन भागवत ने सावधान कर कोई गलत नहीं किया। सक्रिय, व्यवस्थित और संगठित होकर ही ऐसी नापाक एवं संकीर्ण मानसिकताओं का माकुल जबाव दिया जा सकता है। भागवत ने कहा, ''दुर्बल रहना अपराध है, हिंदू समाज को ये समझना चाहिए। अगर आप संगठित नहीं रहते हैं, तो आपको मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है।'' देश के दुश्मनों की ओर इशारा करते हुए मोहन भागवत ने कहा, ''भारत लगातार आगे बढ़ रहा है, लेकिन जब कोई भी देश जो आगे बढ़ रहा होता है तो उसकी राह में अडंगा लगाने वाले लोग भी बहुत सारे होते हैं। इसलिए दूसरे देशों की सरकारों को कमजोर करना दुनिया में चलता रहता है।' लेकिन किसी राष्ट को कमजोर करने के लिये हिंदुओं यानी अल्पसंख्यकों पर हमलों का सहारा लेना, उन्हें प्रोत्साहित करना विकृत एवं अराष्ट्रीय मानसिकता का द्योतक है।

भारत पर लगातार आक्रांताओं के हमले होते रहे और बड़े पैमाने पर धर्मांतरण कराया गया। हिन्दुओं के लाखों मंदिर तोड़े गए। हिन्दुओं से अपने ही देश में हिन्दू होने पर 'जजिया' यानि कर लगाया गया। पूर्व की सरकारों ने भी वोट की राजनीति के चलते हिन्दुओं को दोयम दर्जा पर रखा। फिर भी हिन्दू धर्म ने उदारता और सहनशीलता को नहीं छोड़ा। अगर हिन्दू कट्टर होता तो अन्य धर्मों के लोग भारत में नहीं दिखते। लेकिन प्रश्न है कि आखिर कब तक हिन्दू ऐसी अग्नि परीक्षा देता रहेगा? कब तक हिन्दू की सहिष्णुता को कमजोरी मानकर उन पर अत्याचार होते रहेंगे? कब तक हिन्दू शक्तिसम्पन्न होकर भी निर्बल बना रहेगा? इन सवालों के जबाव तलाशने होंगे वर्ना हिन्दुओं को अस्तित्वहीन करने की कोशिशें कामयाब होती रहेगी।

-ललित गर्ग-

कांग्रेस कमाल की पार्टी रोने बिसूरने में लगी

कांग्रेस कमाल की पार्टी हो गई है। चुनाव हारते ही वह इलेक्ट्रोनिक वोटिंग मशीन यानी ईवीएम और चुनाव आयोग को कोसना शुरू कर देती है। हालांकि ऐसा नहीं है कि ईवीएम को लेकर सवाल नहीं हैं या चुनाव आयोग की भूमिका पक्षपातपूर्ण नहीं है। चुनाव आयोग की तटस्थता और निष्पक्षता तो काफी पहले तिरोहित हो चुकी है। लेकिन हर बार कांग्रेस के चुनाव हारने का कारण यही नहीं होता है। कांग्रेस हर बार अलग अलग कारणों से हारती है, जिनमें से कुछ कांग्रेस की अपनी राजनीति से जुड़े होते हैं तो कुछ देश की राजनीति और समाज व्यवस्था में आ रहे बदलावों से जुड़े होते हैं।तभी हरियाणा में कांग्रेस की हार के कारणों को ज्यादा गहराई से समझने की जरुरत है। इसे लेकर कांग्रेस और उसका इकोसिस्टम जो नैरेटिव बना रहा है उसका कोई मजबूत आधार नहीं है। वह सिर्फ पार्टी नेतृत्व को जिम्मेदारी से बचाने, अपनी गलतियों पर परदा डालने और अपने समर्थकों की आंख में धूल झोंकने का एक प्रयास है। साथ ही यह इस बात का भी संकेत है कि कांग्रेस देश की सामाजिक व राजनीतिक व्यवस्था में हुए व्यापक परिवर्तनों की बारीकी को समझ नहीं पाई है या समझ कर भी कबूतर की तरह आंख बंद कर रही है ताकि खतरा नहीं दिखाई दे।सबसे पहले ईवीएम की ही बात करें तो क्या कांग्रेस यह कहना चाह रही है कि ईवीएम में इस तरह की छेड़छाड़ की गई कि कांग्रेस का वोट प्रतिशत बढ़े और उसकी सीटें भी बढ़े लेकिन वह चुनाव हार जाए? ध्यान रहे कांग्रेस को पिछले चुनाव में 28 फीसदी वोट मिले थे, जो इस बार बढ़ कर 39 फीसदी से ज्यादा हो गया है। यानी उसके वोट प्रतिशत में 11 फीसदी से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई है। इसके मुकाबले भारतीय जनता पार्टी का वोट तीन फीसदी बढ़ा है। पिछले चुनाव में भी उसका वोट तीन ही फीसदी बढ़ा था।कांग्रेस 10 सीटें बागी होकर चुनाव लड़े निर्दलीय उम्मीदवारों के कारण हारी है। तीन सीटों पर इंडियन नेशनल लोकदल और एक सीट पर बसपा को मिले वोट की वजह से कांग्रेस हारी है और पांच सीटों पर आम आदमी पार्टी को मिले वोट के कारण हारी है। एक सीट पर तो कांग्रेस सिर्फ 32 वोट से हारी, जहां आम आदमी पार्टी को ढाई हजार वोट आया। तो क्या कांग्रेस यह कहना चाह रही है कि यह सब बहुत गहरी साजिश का हिस्सा है? इतनी बारीकी से एक एक सीट पर एक एक ईवीएम को इस तरह से मैनेज किया गया कि कांग्रेस का वोट भी बढ़े, निर्दलियों के भी वोट बढ़ें, आम आदमी पार्टी को भी वोट आए और कांग्रेस की हार ऐसी है, जो कम से कम तकनीकी रूप से विश्वसनीय दिखे?पता नहीं क्यों कांग्रेस नतीजे के राजनीतिक पहलू को नहीं देखना चाह रही है। राजनीतिक हकीकत यह है कि भाजपा ने माइक्रो प्रबंधन के तहत बड़ी संख्या में निर्दलीय उम्मीदवारों को खड़ा कराया और उनको चुनाव लड़ने में मदद की। ऐसी कोई रणनीति कांग्रेस नहीं बना सकी। इतने दो ध्रुवीय चुनाव में निर्दलीय व अन्य को 12 फीसदी के करीब वोट मिले हैं। दूसरे, यह संयोग कहें या प्रयोग लेकिन हरियाणा में कांग्रेस के जाट और दलित वोट समीकरण में सेंध लगाने वाले दो गठबंधन बने और दोनों ने चुनाव लड़ा। एक इनेलो और बसपा का तो दूसरा जजपा

और आजाद समाज पार्टी का। इन दोनों गठबंधनों को साझा तौर पर सात फीसदी वोट मिले। तीसरे,कांग्रेस की एक रणनीतिक गलती यह रही कि उसने लोकसभा की तरह आम आदमी पार्टी के साथ तालमेल नहीं किया। लोकसभा में कांग्रेस ने 10 में से एक सीट उसके लिए छोड़ी थी। आप उम्मीदवार उस सीट पर हार गए थे लेकिन विपक्षी गठबंधन इंडिया' के एकजुट होकर लडने़ का मैसेज बना था, जिसका फायदा कांग्रेस को यह हुआ कि वह पांच सीट जीत गई। ध्यान रहे विधानसभा में आप को 1.80 फीसदी वोट मिले हैं।चौथी बात यह है कि कांग्रेस इस मुगालते में रही कि भाजपा की डबल इंजन सरकार के खिलाफ 10 साल की एंटी इन्कम्बैंसी है। लोग उससे उबे हुए हैं और भाजपा ने खुद ही मनोहर लाल खट्टर को मुख्यमंत्री पद से हटा कर मान लिया है कि उसने हरियाणा में अच्छा काम नहीं किया है। लेकिन हकीकत यह है कि हरियाणा में या देश के ज्यादातर राज्यों में भाजपा की सरकारों के खिलाफ एंटी इन्कम्बैंसी जैसी कोई चीज नहीं होती है। कितने भी बरस सरकार चलाने के बाद भी भाजपा अपने वोट नहीं गंवा रही है। जिन राज्यों में वह हारी है वहां भी शायद ही कहीं ऐसा है कि उसके वोट कम हुए हैं। उसका आधार वोट उसके साथ जुड़ा हुआ है क्योंकि हिंदुत्व की अंतर्धारा अब स्थायी हो गई है।सांप्रदायिकता की राजनीति समाज में बहुत गहरे जड़ जमा चुकी है और भाजपा के मौजूदा नेतृत्व की तरफ से पिछले 10 साल से चलाए जा रहे अभियान की परिणति यह हुई है कि भारतीय समाज की संरचना या विचारधारात्मक अंतर्वस्तु में गुणात्मक बदलाव आया है। बहुसंख्यक हिंदू अब मुसलमान को स्थायी तौर पर अपने लिए खतरनाक मानने लगा है। अब्दुल को टाइट' करने की धारणा बहुत गहरे तक जड़ जमा चुकी है। पहले आमतौर पर सांप्रदायिक दंगों आदि के बाद इस तरह की धारणा बनती थी। लेकिन अब समाज में स्थायी खदबदाहट है। इस वजह से भाजपा का आधार वोट उसके साथ ज्यादा मजबूती से जुड़ा है और हर चुनाव में इसमें कुछ बढ़ोतरी हो रही है। हरियाणा में भी लगातार तीन चुनावों में यह प्रवृत्ति दिखी है।पांचवें, कांग्रेस ने भाजपा की तरह अपने सामाजिक समीकरण पर ध्यान नहीं दिया। मुख्यमंत्री पद से मनोहर लाल खट्टर को हटा कर भाजपा ने नायब सिंह सैनी के जरिए अन्य पिछड़ी जाति का जो समीकरण साधा उसकी कांग्रेस ने अनदेखी कर दी। इसके उलट वह एंटी इन्कम्बैंसी और जवान, किसान व पहलवान के नाराज होने की धारणा को हवा देती रही। दूसरी ओर हरियाणा के संभवतः पहले ओबीसी मुख्यमंत्री ने 36 फीसदी वोट को एकजुट कर दिया। खट्टर के चेहरे पर यह नहीं हो सकता था। भाजपा को पता था कि खट्टर को हटाने पर भी पंजाबी भाजपा के साथ रहेगा लेकिन सैनी संपूर्ण ओबीसी वोट जोड़ देंगे। उनके साथ भाजपा ने ब्राह्मण प्रदेश अध्यक्ष और पंजाबी, गुर्जर और यादव केंद्रीय मंत्री बनाया।उसने जान बूझकर हरियाणा से कोई जाट केंद्रीय मंत्री नहीं बनाया। इसका मकसद गैर जाट वोटों को एक मैसेज देना था। छठा, कांग्रेस ने इस सामान्य राजनीतिक सिद्धांत पर ध्यान नहीं दिया कि जब सबसे मजबूत जाति एकजुट होती है तो उसकी प्रतिक्रिया में सामान्य रूप से अन्य जातियों की गोलबंदी होती है। उसने हरियाणा में जवान, किसान और पहलवान के नैरेटिव के साथ भूपेंद्र सिंह हुड्डा की कमान बनने का मैसेज बनने दिया। इसमें कोई संदेह नहीं है कि इससे जाट पूरी तरह कांग्रेस के पक्ष में एकजुट हुआ लेकिन इससे जाटशाही आने का जो मैसेज बना उसको कांग्रेस काउंटर नहीं कर सकी और उसके विरोध में अन्य जातियां एकजुट हो गई।सातवां, भाजपा के तमाम शीर्ष नेताओं ने हुड्डा के 10 साल के कामकाज यानी 2014 से पहले के दस साल के कामकाज का मुद्दा बनाया। खर्ची और पर्ची से बहाली होने, जमीन में घोटाले और दलितों पर अत्याचार का मुद्दा चर्चा में आया। कांग्रेस ने इसका मजाक तो उड़ाया लेकिन वह प्रभावी तरीके से इसका जवाब नहीं दे सकी। आठवां, संगठन के मामले में कांग्रेस बेहद कमजोर और लापरवाह भी रही। विपक्ष में होने के बावजूद कांग्रेस ने संगठन नहीं बनाया। आठ साल से प्रदेश संगठन नहीं है। अध्यक्ष बदलते रहे और संगठन तदर्थ तरीके से काम करता रहा। पार्टी एक या दो व्यक्तियों के करिश्मे पर निर्भर रही। दूसरी ओर मोदी के करिश्मे और शाह की रणनीति के बावजूद भाजपा ने मजबूत संगठन बनाया, जिसका असर मतदान के दौरान दिखा। यह जमीनी रिपोर्ट है कि अनेक मतदान केंद्रों पर कांग्रेस के पोलिंग एजेंट्स नहीं थे। नौवां, टिकट बंटवारे में कांग्रेस ने कोई होमवर्क नहीं किया। जमीनी फीडबैक लिए बगैर अपनी हवा होने और हुड्डा के सबको जितवा लेने की धारणा पर टिकट बांटे। दसवां, कुमारी सैलजा की नाराजगी को बिल्कुल नीचे तक पहुंचने दिया और उसके बाद संकट प्रबंधन शुरू हुआ। इसका नतीजा यह हुआ कि दलितों का एक बड़ा हिस्सा गैर जाट की हवा में बह गया। लेकिन इसकी बजाय वह साजिश थ्योरी का बहाना बना कर रोने बिसूरने में लगी है।

-अजीत द्विवेदी-

दुःख का समय

घटती-घटना
कृष्णा चौहान
बिलाईगढ़,सारंगढ़(छ.ग.)

जिंदगी में दुःख तो,
आते जाते रहते हैं!
दुःख को देखकर तुम्हें,
नहीं घबराना हैं!
दुःख के समय में,
धैर्य से काम लेना हैं!
दुःख के समय में,
हिम्मत नहीं हारना हैं!
नेगेटिव बातों से दुर,
पॉजिटिव सोचना हैं!
दुःख दर्द को सहकर,
तुम्हें आगे बढ़ना हैं!
जिंदगी में हम सबको,
दुःख सहना पड़ता हैं!
दुःख के जाने के बाद
हमें खुशी मिलता हैं!

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

12 वीं की छात्रा से बलात्कार,अभी गैंगरेप की पुष्टि नहीं

- संवाददाता -
अंबिकापुर,15 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

सूरजपुर जिले की कक्षा 12 वीं की छात्रा 12 अक्टूबर को दशहरा पर्व पर होने वाले कार्यक्रम को देखने के लिए सहेलियों के साथ गई थी। इस दौरान पूर्व में साथ में पढ़े कांता सहित कुछ लडक़ों से उसकी मुलाकात हुई। जो उससे काफी दिनों के बाद मिलने की बात कहते हुए हालचाल पूछने लगे। इस बीच लडक़ी पानी पीने की इच्छा जाहिर की। कांता ने उसे पानी का बॉटल लाकर दिया। पानी पीने के बाद तबियत ठीक नहीं लगने पर वह घर जाने की बात कही। इस दौरान कांता ने मोटरसाइकिल से गांव छोड़ देने की बात कही। कुछ देर बाद जब वह उठी तो वह चलने-फिरने की स्थिति में नहीं थी। ऐसे में लडक़ों ने उसे मोटरसाइकिल में साथ चलने के लिए राजी कर लिया और पूर्व सहपाठी के साथ वह गांव आ रही थी। गांव आने तक पानी में कथित रूप से मिलाए गए नशीली चीज के कारण संभवतः वह बेसुध हो गई थी। आरोप है कि गांव तक आने के बाद लडक़े उसे जंगल ले गए और सामूहिक दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया। दुष्कर्म के बाद लडक़ी से मारपीट कर उसे फेंक दिए थे। इसके बाद लडक़े उसे मरा समझकर मौके से भाग गए थे। पूरी रात लडक़ी जंगल में ही अचेत अवस्था में पड़ी थी। होश आने के बाद भी उसकी स्थिति ऐसी नहीं थी कि जंगल से बाहर आ सके। इधर लडक़ी के घर नहीं पहुंचने से परेशान स्वजन उसकी सखी, सहेलियों के घर तक जाकर पूछताछ करने में लगे थे, लेकिन कुछ भी पता नहीं चला। स्वजन का कहना है कि बस्ती में खोजबीन के दौरान गाडिय़ों के आने-जाने की आवाज सुनकर वह किसी तरह जंगल से बाहर आई और घटना के बारे में बताया।

मामले के मुख्य आरोपी की मिली लाश

बताया जा रहा है कि घटना दिनांक 12 अक्टूबर को दशहरा देखने के लिए निकला कांता सिंह अपने घर नहीं पहुंचा था। पुत्र से संपर्क नहीं होने पर उसके पिता ने दोस्त के मोबाइल नंबर पर फोन लगाया तो उसके पिता ने फोन उठाया था। इनके द्वारा जानकारी दी गई कि कांता किसी लडक़ी के साथ मारपीट किया है। इसके बाद पुत्र के घर नहीं पहुंचने से स्वजन परेशान थे। मंगलवार को सरपंच रामलखन के माध्यम से पुलिस को पता चला कि एक युवक का शव केशवपुर पंडरिया के पास फांसी पर लटका है। इसकी पहचान घरभरन और परिवार के अन्य सदस्यों ने कांता के रूप में की है। मृतक के पिता ने संभावना व्यक्त की है कि मारपीट में लडक़ी के बेहोश होने के डर से कांता द्वारा खुदकुशी जैसा कदम उठाया गया है। वहीं सूरजपुर पुलिस इस सभी पहलुओं पर मामले की जांच कर रही है।

चिकित्सकीय जांच में गैंगरेप की पुष्टि नहीं : आईजी

मामले में आईजी अंकित गर्ग ने एक बयान जारी कर बताया है कि सूरजपुर जिले के रामानुजनगर क्षेत्र की एक बालिका के साथ 12 अक्टूबर को मारपीट की गई थी। मामले में एक नाबालिग किशोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया गया था। वहीं पीड़िता को इलाज के लिए सीएचसी में भर्ती कराया गया था। वहां से उसे सूजपुर जिला अस्पताल उसके बाद मेडिकल कॉलेज अंबिकापुर में भर्ती कराया गया है। यहां पीड़िता ने अपने साथ अनाचार की जानकारी दी। पुलिस द्वारा पीड़िता से पूछताछ करने पर एक बालक द्वारा जबरन शारीरिक संबंध बनाना बताई तथा उसके साथ मारपीट करना भी बताई तथा अन्य किसी द्वारा कोई गलत कार्य करना नहीं बताई है। जिस पर धारा 64 बीएनएस जोड़ी जाकर महिला चिकित्सक जिला चिकित्सालय अम्बिकापुर को प्रतिवेदन देकर आहत का मुलाहिजा कराया गया। जिसमें महिला चिकित्सक द्वारा महिला आहत के साथ गैंगरेप होना नहीं बताया गया। शारीरिक संबंध होना बताया। विवेचना के दौरान आरोपी का पता तलाश करने पर 15 अक्टूबर को नाबालिग किशोर का शव पीड़िता के घर के कुछ दूरी पर फांसी से लटका मिला है जिस पर मर्ग कायम कर जांच की जा रही है।

नॉर्मल डिलीवरी का करते रहे इंतजार, इधर गर्भ में ही हो गई नवजात की मौत

» परिजन ने चिकित्सक पर लगाया लापरवाही का आरोप

- संवाददाता -
अंबिकापुर,15 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

तीन दिन तक नॉर्मल इंतेजार के बाद महिला का ऑपरेशन कर प्रसव कराया गया। इस दौरान महिला ने मृत बच्चे को जन्म दिया है। परिजन ने मामले में चिकित्सक व स्टाफ नर्स पर लापरवाही का आरोप लगाया है।

जानकारी के अनुसार सुचिता पंडो पति देवासीस पंडो गांधीनगर थाना क्षेत्र के ग्राम बढ़नी झरिया की रहने वाली है। परिजन उसे प्रसव के लिए रविवार को मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया था। यहां चिकित्सक उसका नॉर्मल डिलिवारी होने का इंतजार करते रहे। लेकिन नॉर्मल डिलिवारी नहीं हो सका और महिला की स्थिति गंभीर हो गई। परिजन के रिक्वेस्ट करने के बाद डॉक्टर मंगलवार की सुबह करीब 5 बजे महिला का ऑपरेशन कर डिलिवारी कराया। जहां महिला ने मृत बच्चे को जन्म दी है। महिला के पति देवासीस का कहना है कि हमलोग सुरक्षित प्रसव के लिए रविवार से मेडिकल कॉलेज के एमसीएच में भर्ती कराए थे। लेकिन चिकित्सक व स्टाफ नर्स द्वारा मामले में पूरी लापरवाही बरती गई है। प्रसव पीड़ा से महिला की स्थिति गंभीर होती जा रही थी। परिजन द्वारा बार-बार बोलने पर स्टाफ नर्स उन्हें डांटकर भगा दे रहे थे। महिला की स्थिति को देखते हुए परिजन चिकित्सक व स्टाफ नर्स से उसका ऑपरेशन कर डिलिवरी कराने के लिए निवेदन करते रहे लेकिन किसी ने नहीं सुना। परिजन का आरोप है कि बार-बार जाकर स्टाफ नर्स को बोलने पर डांट कर भगा दे रहे थे। स्टाफ नर्स कहते थे कि तुम्ही लोग डिलिवरी करा लो।

महिला रविवार को रविवार को डिलिवारी के लिए भर्ती कराया गया था। चिकित्सक द्वारा नॉर्मल डिलिवारी का इंतजार किया जा रहा था। नॉर्मल डिलिवारी न होने पर उसका ऑपरेशन कर डिलिवारी कराया गया। जहां वह मृत बच्चे को जन्म दी है। किसी तरह की लापरवाही नहीं की गई है।

**डॉ. जेके रेलवान,
सिविल सर्जन**

नशीले इंजेक्शन का आरोबारी गिरफ्तार

- संवाददाता -
अंबिकापुर,15 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

अवैध नशे के कारोबार में संलिप्त एक और आरोपी को गांधीनगर पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी तस्कर के खाते में पैसा डालने व नशीली इंजेक्शन व दवा लेकर बेचने का आरोप है।

जानकारी के अनुसार गांधीनगर पुलिस ने 17 जून को चठिरमा रोड में वाहन चोकिंग के दौरान कार चालक पंकज धर दुबे पिता विनोद धर दुबे उम्र 28 वर्ष निवासी अचला नवाडीह थाना गढ़वा के कब्जे से 3 हजार नग अवैध प्रतिबंधित नशीले इंजेक्शन के साथ गिरफ्तार किया था। इसके निशानदेही पर पुलिस ने सप्लयर संतोष कुमार महतो निवासी डालटेनगंज व पंकज इ्क्षसह औरंगाबाद बिहार को गिरफ्तार कर जेल भेज दी थी। वहीं मंगलवार को इस मामले में नया आरोपी मो. गुरफान सिद्दीकी निवासी पुराना नगर निगम इमलीपारा अंबिकापुर को गिरफ्तार किया है। यह पंकज धर दुबे से नशीले इंजेक्शन लाकर अंबिकापुर में बिक्रि करने का काम करता है। वहीं इसके खाते से तस्कर को लेन देने करने की भी पुष्टि हुई है। पुलिस ने इसके मो. गुरफान सिद्दीकी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

कीटनाशक सेवन कर महिला ने दी जान

- संवाददाता -

अंबिकापुर, 15 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)। अज्ञात कारण से एक महिला कीटनाशक सेवन कर ली थी। उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया था। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार रतिलो टोप्पो पति जीवन टोप्पो उम्र 55 वर्ष दरिमा थाना क्षेत्र के ग्राम टपरकेला की रहने वाली थी। वह 14 अक्टूबर को अज्ञात कारण से कीटनाशक सेवन कर ली थी। परिजन उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया था। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

जिला स्तरीय स्वच्छता संवाद कार्यक्रम का हुआ आयोजन

» बड़ी संख्या में स्वच्छता दीदियां, समूह की महिलाएं हुई शामिल

» स्वच्छ भारत मिशन की राज्य सलाहकार सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि हुए शामिल, स्वच्छता के प्रति लोगों को किया प्रेरित

- संवाददाता -
अंबिकापुर,15 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

अंतर्राष्ट्रीय हाथ धुलाई दिवस के अवसर पर जिला स्तरीय स्वच्छता संवाद कार्यक्रम का आयोजन पीजी कॉलेज ऑडिटोरियम में किया गया। इस कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथियों द्वारा महात्मा गांधी के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस कार्यक्रम में जिले के सातों विकासखंड की स्वच्छता दीदी और समूह की महिलाएं, सरपंच सचिव सहित कई गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल स्वच्छ भारत मिशन की राज्य सलाहकार श्रीमती मोनिका सिंह ने लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के लिए स्वभाव स्वच्छता और संस्कार स्वच्छता की थीम पर जोर देते हुए कहा कि हम अपने दैनिक जीवन में स्वच्छता को अपना सकते हैं और अपने समाज को स्वच्छ बना सकते हैं। स्वच्छता हमारे जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है और हमें इसके प्रति जागरूक रहना चाहिए। स्वच्छता से न केवल हमारा स्वास्थ्य अच्छा रहता है, बल्कि यह हमारे समाज को भी स्वच्छ और सुंदर बनाता है।

वहीं उन्होंने कार्यक्रम में मौजूद लोगों से अपील की कि वे अपने घरों और आसपास के क्षेत्रों में स्वच्छता का ध्यान रखें और अन्य लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि यदि हम सभी मिलकर स्वच्छता के लिए काम करें, तो हम अपने जिले को स्वच्छ और सुंदर बना सकते हैं।

जिला स्तरीय स्वच्छता संवाद कार्यक्रम का उद्देश्य था कि स्वच्छता के महत्व को ज्यादा से ज्यादा बढ़ावा दिया जाए इस अवसर पर स्वच्छता दीदी और महिला समूह की महिलाओं ने अपने अनुभव साझा किए और स्वच्छता के महत्व पर जोर दिया।

कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों ने भी स्वच्छता के महत्व पर बल दिया और लोगों से अपने दैनिक जीवन में स्वच्छता को अपनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में जिला पंचायत एपीओ श्रीमती स्वेच्छा सिंह, उप संचालक श्री यशपाल प्रेक्षा, वैज्ञानिक बायो टेक डॉक्टर प्रशांत शर्मा, स्वच्छ भारत मिशन शहरी नोडल अधिकारी श्री रितेश सैनी,स्वच्छ भारत मिशन जिला समन्वयक श्री रोशन कुमार गुप्ता, श्री उपेन्द्र सिंह पैकरा, श्री अनिल गुप्ता मौजूद थे।

मां महामाया एयरपोर्ट का उद्घाटन अब 20 अक्टूबर को,तैयारी शुरू

- संवाददाता -

अंबिकापुर, 15 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

मां महामाया एयरपोर्ट से हवाई सेवा का शुभारंभ करने के लिए एयरपोर्ट अथोरिटी को उच्च कार्यालय से अंबिकापुर जिला प्रशासन को ई-मेल के माध्यम से जानकारी दी गई है। एयरपोर्ट के उद्घाटन की तैयारी 20 अक्टूबर की तिथि निर्धारित की गई है। इसे लेकर जिला प्रशासन द्वारा तैयारी शुरू कर दी गई है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी होंगे। जो वारानसी से वर्चुअल वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़ेंगे। शुभारंभ कार्यक्रम दोपहर तीन बजे निर्धारित की गई है। वहीं उद्घाटन के दौरान मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय व अन्य मंत्री भी मौजूद रहेंगे। दरिमा स्थित मां महामाया एयरपोर्ट से हवाई सेवा शुरू करने के लिए 17 सितंबर को डीजीसीए की अनुमति के बाद एलाइंस यअर ने 72 सीटर प्लेन उतारकर ट्रायल किया था। इसके बाद से उद्घाटन के लिए संभावित तिथि तय की जा रही है। पहली पर 26 सितंबर को संभवित तिथि सामने आई थी। इसके बाद 21 अक्टूबर को बताया गया था। पुनः 20 अक्टूबर किया गया है। 20 अक्टूबर को उद्घाटन को लेकर स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट रायपुर के डायरेक्टर मेल भी जिला प्रशासन को जारी किया गया है।

राजीव मिश्रा ने अंगदान व देहदान का लिया संकल्प

- संवाददाता -

अंबिकापुर, 15 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

सूरजपुर जिले के ओडग़ी निवासी 42 वर्षीय राजीव मिश्रा ने अंबिकापुर आकर एक प्रेरणादायक कदम उठाते हुए अंगदान और देहदान का संकल्प लिया है। उनका यह संकल्प न केवल जरूरतमंदों की जान बचाने का कार्य करेगा, बल्कि उनकी देह मेडिकल कॉलेज के विद्यार्थियों के लिए भी अमूल्य योगदान साबित होगी। इस संकल्प की प्रक्रिया भारत सरकार की आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से रेड क्रॉस सोसाइटी सरगुजा शाखा द्वारा संपन्न हुई। रेड क्रॉस सोसाइटी सरगुजा शाखा के कोऑर्डिनेटर डॉक्टर अर्पण सिंह चौहान ने इस अवसर पर मिश्रा को अंगदान का प्रमाण पत्र प्रदान किया।

संभागीय संयुक्त संचालक, स्वास्थ्य सेवायें ने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र दरिमा का किया आकस्मिक निरीक्षण

- संवाददाता -

अंबिकापुर, 15 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

संभागीय संयुक्त संचालक,स्वास्थ्य सेवायें,डॉ अनिल कुमार शुक्ला ने मंगलवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंन्द्र दरिमा का आकस्मिक निरीक्षण किया। इस दौरान अनुपस्थित पाए गए कर्मचारियों का एक दिन का अवैतनिक किये जाने हेतु मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को पत्र जारी कर निर्देशित किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने राष्ट्रीय कार्यक्रम के फ्लेक्स व बैनर तैयार कर लगवाने कहा, ताकि आमजनों को इसकी जानकारी मिले। उन्होंने संस्था में साफ सफाई पर विशेष ध्यान देने हेतु निर्देश दिए एवं समस्त राष्ट्रीय कार्यक्रमों की जानकारी ली।

चीन ने ताइवान को चौतरफा घेरा, उड़ाए 153 फाइटर जेट

ताइपे ने भी की युद्ध की तैयारी, तैनात कर दीं मिसाइलें

बीजिंग/ताइपे,15 अक्टूबर 2024। चीन की सेना ने ताइवान को समुद्र में चारों तरफ से घेर लिया है। चीनी सेना युद्धाभ्?यास कर रही है और ताइवान को डराने के लिए 153 फाइटर जेट उड़ाए हैं। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि चीन की सेना ने फाइटर जेट, ड्रोन, युद्धपोत और कोस्ट गार्ड के युद्धपोतों की मदद से सोमवार को जोरदार अभ्यास किया। चीन के इस कदम की ताइवान ने कड़ी निंदा की है और इसे बिना कारण उकसावे की कार्रवाई करार दिया है। ताइवान ने चीन के किसी भी दुस्?साहस से निपटने के लिए अपनी सेना को अलर्ट कर दिया है और एंटी शिप मिसाइलें भी तैनात कर दी हैं।

ताइवान ने बताया कि 25 घंटे में 153 फाइटर जेट ताइवान के आसपास देखे गए हैं। इसमें से 111 फाइटर जेट ने मेडिअन लाइन को पार किया जो दोनों को अलग करती है। चीन इस सीमा रेखा को नहीं मानता है। चीन ने प्रण किया है कि वह युद्ध के लिए तैयार है। चीन ताइवान को अपना हिस्सा मानता है। चीन के कई युद्धपोत और एयरक्राफ्ट कैरियर भी ताइवान को घेरे हुए हैं। चीन का यह कदम ताइवान जलडमरूमध्य में तनावपूर्ण स्थिति को दर्शाता है। चीन के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि यह अभ्यास ताइवान के राष्ट्रपति लाई चिंग-ते के बीजिंग की उन मांगों को मानने से इनकार करने की प्रतिक्रिया है कि ताइवान खुद को कम्युनिस्ट पार्टी के शासन के तहत चीन के हिस्से के रूप में स्वीकार करे।

ताइवान ने चीन की धमकी पर क्या कहा?

इन अभ्यासों से चार दिन पहले ताइवान ने अपने राष्ट्रीय दिवस पर अपनी सरकार की स्थापना का जश्न मनाया था जिसमें ताइवान के राष्ट्रपति ने कहा था कि चीन को ताइवान का प्रतिनिधित्व करने का कोई अधिकार नहीं है और उन्होंने 'कब्जे या अतिक्रमण का विरोध' करने की अपनी प्रतिबद्धता की घोषणा की थी। ताइवान की सुरक्षा परिषद के महासचिव जोसेफ वू ने ताइपे में कहा, 'हमारी सेना चीन की धमकी से निश्चित तौर पर उचित तरीके से निपटेगी। अन्य देशों को बल प्रयोग कर धमकाना शांतिपूर्ण तरीके से विवादों को हल करने की संयुक्त राष्ट्र चार्टर की मूल भावना का उल्लंघन करता है।'

ताइवान के राष्ट्रपति कार्यालय ने चीन से 'ऐसे सैन्य उकसावे बंद करने का आह्वान किया जो क्षेत्रीय शांति एवं स्थिरता को कमजोर करते हैं और उन्होंने ताइवान के लोकतंत्र एवं स्वतंत्रता को चुनौती देना बंद करने का भी आह्वान किया।' चीन ने अभ्यासों के लिए अपने लियानिंग विमानवाहक पोत को भी तैनात किया और सरकारी प्रसारणकर्ता सीसीटीवी ने पोत से जे-15 लड़ाकू विमान को उड़ान भरते हुए दिखाया। चीन के पूर्वी थिएटर कमान के प्रवक्ता नेवी सीनियर कैप्टन ली शी ने कहा कि अभ्यासों में नौसेना, वायु सेना, मिसाइल कोर ने भाग लिया।

ताइवान का क्या रहा है इतिहास?

ली ने एक बयान में कहा, 'यह उन लोगों के लिए एक बड़ी चेतावनी है जो ताइवान की स्वतंत्रता का समर्थन करते हैं और हमारी राष्ट्रीय संप्रभुता की रक्षा के लिए हमारे दृढ़ संकल्प का प्रतीक है।' इसके साथ ही चीन के ताइवान मामलों के कार्यालय ने सोमवार को घोषणा की कि वह ताइवान की स्वतंत्रता को बढ़ावा देने के काम के लिए ताइवान के दो लोगों पूमा शेन और रॉबर्ट त्साओ पर प्रतिबंध लगा रहे हैं। द्वितीय विश्व युद्ध के अंत में चीन के साथ एकीकृत होने से पहले ताइवान एक जापानी उपनिवेश था। 1949 में यह उससे अलग हो गया जब माओ त्से तुंग के कम्युनिस्टों के चीन में सत्ता में आने के बाद उनके विरोधी च्यांग काई-शेक के समर्थक भागकर ताइवान आ गए।

हिजबुल्लाह को मिल गया आयरन डोम को चकमा देने का तरीका?

ड्रोन के आने की नहीं लगी भनक,टेंशन में इजरायल

तेल अवीव, 15 अक्टूबर 2024। इजरायल चारों ओर से दुश्मनों से घिरा है। दुश्मनों के किसी भी हमले से बचने के लिए उसने आयरन डोम डिफेंस सिस्टम लगा रखा है। लेकिन अब इस बात का खतरा बढ़ गया है कि शायद हिजबुल्लाह को आयरन डोम को चकमा देने का तरीका मिल गया है। रविवार को एक ड्रोन हमले में चार लोगों की मौत के बाद से यह सवाल उठने लगा है। आईडीएफ के प्रमुखों ने सवाल उठाया है कि आखिर उनके एयर डिफेंस सिस्टम ने हमले का पता क्यों नहीं लगाया।

हिजबुल्लाह ने कहा कि उसने ड्रोन के झुंड से IDF के गोलानी ब्रिगेड के एक अड्डे को निशाना बनाया था। लगभग दो सप्ताह पहले इजरायल की ओर से लेबनान पर जमीनी हमला शुरू करने के बाद यह आतंकी ग्रुप की ओर से किया गया सबसे घातक हमला था। इजरायल के पास एक वर्ल्ड क्लास एयर डिफेंस सिस्टम है, जो अब तक उसके ज्यादातर हिस्से को हमले से बचाता रहा है। इजरायली जांचकर्ता यह पता लगाने की किशिश क रहे हैं कि आखिर आयरन डोम ने एक्शन क्यों नहीं लिया। साथ ही हवाई हमले के दौरान सायरन ने अलर्ट क्यों नहीं किया।

आयरन डोम को चकमा दे सकता है ड्रोन?

आयरन डोम उन रॉकेटों को रोकता है जो शहरी क्षेत्रों की दिशा में जा रहा होता है। इस डिफेंस सिस्टम से निकली मिसाइल खतरे को हवा में ही तबाह कर देती है। लेकिन अब आशंका जताई जा रही है कि एक साथ कई हमले करने से सिस्टम कनफ्यूज हो जाता है। इस बात की चेतावनी दी जाती रही है।

दो ड्रोन किए थे लॉन्च

इजरायली रक्षा मंत्री योव गैलेंट ने कहा है कि सरकार इसका समाधान निकालने पर काम कर रही है। टाइम्स ऑफ इजरायल की रिपोर्ट के मुताबिक हिजबुल्लाह ने समुद्र से इजरायली हवाई क्षेत्र में दो ड्रोन लॉन्च किए। इजरायल रिसर्च इंस्टीट्यूट अल्मा सेंटर ने कहा कि ड्रोन की मारक क्षमता 120 किमी है। वहीं यह 370 किमी प्रति घंटे की अधिकतम स्पीड से उड़ सकता है। इसमें 40 किग्रा विस्फोटक ले जाने की क्षमता है। कथित तौर पर एक ड्रोन उत्तरी हाइफा बंदरगाह के करीब गिरा दिया गया। लेकिन दूसरा ड्रोन बिना किसी वॉर्निंग के बेस में गिरा।

विधायक राजेश अग्रवाल ने किया क्रिकेट टूर्नामेंट के 'पीईकेबी ट्रॉफी का अनावरण

- संवाददाता -
उदयपुर,15 अक्टूबर 2024
(घटती-घटना)।

राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड (आरआरवीयूएनएल) के सौजन्य से ग्राम साल्ही में चल रहे अंतर्ग्रामीण क्रिकेट टूर्नामेंट के 'पीईकेबी ट्रॉफी' का आनावरण मंगलवार को क्षेत्र के विधायक श्री राजेश अग्रवाल ने किया। इस अवसर पर पीईकेबी खदान के चीफ ऑफ क्लस्टर श्री मनोज कुमार शाही, ग्राम साल्ही के सरपंच श्री विजय कोर्राम, पूर्व जनपद सदस्य श्री बालसाय कोर्राम, उप सरपंच मुंशी प्रसाद, पंचों में श्री रामलाल कारियाम, ठाकुर सिंह कुसरो, आनंद कुसरो, श्रीमती बंधन पोर्ते, प्रधान मरपच्ची, तथा साल्ही सचिव श्री गोपाल यादव शामिल हुए। इसके अलावा वरिष्ठ नागरिकों में साल्ही के श्री जयलाल सिंह उईके श्री देव प्रसाद सिंह करियाम, फतेहपुर से देव प्रसाद सिंह पोर्ते, महिला उद्यमी बहुउद्देशीय सहकारी समिति की अध्यक्ष श्रीमती अमिता सिंह टेकाम व सदस्यों ने अपनी उपस्थिति दी। सरगुजा जिले के उदयपुर प्रखण्ड में आयोजित इस टूर्नामेंट का उद्देश्य अंचल के गांवों में खेल के प्रति रुचि बढ़ाना तथा छुपी हुई प्रतिभाओं को उभारना है। इस दौरान पीईकेबी खदान सरगुजा के क्लस्टर एचआर प्रमुख राम द्विवेदी, वित्त विभाग प्रमुख अमित तिवारी, भू विभाग प्रमुख राजेश साव, मीडिया विभाग प्रमुख अतुल गुप्ता, भू विभाग से मृत्युंजय यादव,महिपाल सिंह,अदाणी फाउंडेशन से प्रोग्राम मैनेजर उमेन्द्र साहू, वरिष्ठ प्रोग्राम अधिकारी सौरभ सिंह सहित अन्य गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक श्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि,अदाणी का यह प्रयास सराहनीय है इस तरह के आयोजन से क्षेत्र में युवाओं को खेल के प्रति रुचि तथा उत्साह तो बढ़ेगा ही साथ ही वे सभी राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी खेलने के लिए प्रोत्साहित होंगे।

वहीं श्री मनोज कुमार शाही ने कहा कि, पीईकेबी के ट्राफी के द्वारा क्षेत्र में हम क्रिकेट के साथ फुटबाल तथा कबड्डी खेल को भी प्रोत्साहित करने का निश्चय किया है। जिसे भविष्य में अब प्रत्येक वर्ष आयोजित किया जाएगा। यही नहीं अंचल की सांस्कृतिक विरासत को भी सहेजने तथा नई पीढ़ियों को सीखाने का प्रयास भी हमारे द्वारा किया जा रहा है। जिससे भारत सहित विदेशों में भी इसकी ख्याति फैलेगी।

श्री अग्रवाल ने मैच के खिलाड़ियों से हाथ मिलाकर सभी को खेल भावना से खेलने और जीतने के लिए प्रोत्साहित किया। इस छह दिवसीय क्रिकेट टूर्नामेंट में आस पास के ग्रामों की कुल 16 टीमें भाग ले रही हैं।

- » दूसरे दिन खेले गए तीन रोमांचक मुकाबले
- » पहले मैच में घाटबर्रा ने परसा (ब) को 29 रनों से हराया, दूसरे मैच में चकेरी ने घाटबर्रा (अ) को चार विकेट से मात दी
- » फतेहपुर और हरिहरपुर के बीच ड्रा हुआ, हार जीत के लिए खेला गया सुपर ओवर

पीईकेबी ट्रॉफी क्रिकेट स्कोर बोर्ड (दूसरा दिन)

ग्राम साल्ही के मैदान में मंगलवार को आयोजित पीईकेबी ट्रॉफी' अंतर्ग्रामीण क्रिकेट टूर्नामेंट में दूसरे दिन तीन मैच खेले गए। पहला मैच घाटबर्रा तथा परसा (ब) के बीच खेला गया जिसमें घाटबर्रा (ब) ने टॉस जीता और छह विकेट खोकर आठ ओवरों में कुल 72 रन बनाए जिसका पीछा करते हुए परसा की टीम 43 रन में ही ऑल आउट हो गई इस तरह घाटबर्रा (ब) ने यह मैच 29 रनों से जीत लिया। इसमें गंगा ठाकुर को 47 रनों की आतिशी पारी के लिए मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया।

वहीं दूसरे मैच में चकेरी ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण का निर्णय लिया और छह विकेट खोकर कुल 55 रन बनाए। जिसका पीछा करते हुए घाटबर्रा (अ) की टीम की शुरुआत बड़ी ही कमजोर रही और पहले ही ओवर में दो विकेट गिर गए। इस तरह पूरी टीम ने आठ ओवरों में केवल 40 रन ही बना पाए और चकेरी ने यह मुकाबला चार विकेट से जीत लिया। इस मैच में इतवार साय को उनकी 21 रन की पारी के लिए मैन ऑफ द मैच का इनाम दिया गया।

जबकि तीसरा मैच हरिहरपुर व फतेहपुर के बीच बड़ा ही रोमांच भरा रहा। इसमें फतेहपुर ने टॉस हारकर भी पहले बल्लेबाजी की और प्रथम इनिंग में कुल 68 रन बनाए जिसका बड़े ही रोमांचक ढंग पीछा करते हुए हरिहरपुर ने भी पूरे आठ ओवरों में 68 रन बना लिए और मैच ड्रा होने की स्थिति में पहुँच गया। जीत हार के फैसले के लिए एक सुपर ओवर का विकल्प दिया। जिसमें फतेहपुर ने कुल पांच रन बनाए जिसके जवाब में हरिहरपुर ने छह रन बनाकर मैच को अपने नाम किया। इस तरह हरिहरपुर को विजयी घोषित किया। हरिहरपुर के राम लखन ने इस मैच में कुल 21 रनों की धुआँधार पारी खेली जिसके लिए उन्हें मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार प्रदान किया गया।

बुधवार को चार मैच शिवनगर बनाम गिद्धमुडी, साल्ही बनाम सैदु सुसकम, बासेन बनाम पतुरिया तथा फतेहपुर (अ) बनाम जनार्दनपुर के बीच खेले जाएंगे।

दिनांक 14 से 19 अक्टूबर तक आयोजित इस आरआरवीयूएनएल कृत 'पीईकेबी ट्रॉफी' के लिए ग्राम साल्ही, जनार्दनपुर, तारा, फत्तेहपुर, पतुरिया डांड, घाटबर्रा, सैदु-सुसकम, हरिहरपुर,चकेरी,परसा,बासेन,शिवनगर, फत्तेहपुर-बी,घाटबर्रा-बी,परसा-बी और गिद्धमूडी की टीमें शामिल होंगी। पीईकेबी ट्रॉफी' का क्वारटर फाइनल 17 अक्टूबर को तथा सेमी फाइनल 18 अक्टूबर को खेला जाएंगा। टूर्नामेंट का फाइनल मैच 19 अक्टूबर को खेला जाएगा। मैच के फाइनल में विजेता टीम को 'पीईकेबी ट्रॉफी' के साथ रुपए 21000 तथा उपविजेता को 'पीईकेबी ट्रॉफी' व रुपए 11000 का नगद इनाम दिया जाएगा।

आरआरवीयूएनएल द्वारा क्षेत्र में ढांचागत विकास की श्रृंखला में खदान के पास के 14 गावों की बड़ी जरूरतों को ध्यान में रखते हुए सरकारी स्कूलों में मरम्मत तथा बाला पेंटिंग, अतिरिक्त कक्षाओं एवं पक्के शौचालयों का निर्माण, गांव में सड़क निर्माण एवं यात्री प्रतीक्षालयों के मरम्मत तथा सौंदरीकरण इत्यादि के कार्य शामिल है। साथ ही पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए 14 लाख से ज्यादा पेड़ 450 हेक्टेयर से ज्यादा खनन की हुई जमीन में रोपित किया है।

प्रशासनिक राशियों का गमन विकास के नाम पर सरगुजा कलेक्टर को गांव की जांच के लिए आवेदन दिया गया

- संवाददाता -
लखनपुर, 15 अक्टूबर 2024
(घटती-घटना)।

सरगुजा लखनपुर जनपद पंचायत के ग्राम बेलदगी में विकास के नाम पर प्रशासनिक राशि का गमन विधिवत जांच एवं टीम गठित कर मामले की जांच कलेक्टर को ज्ञापन देकर मांग किया गया

ग्राम पंचायत में हैंड खनन नहानि घर सीसी रोड सोकता गढ़ा भवन मरम्मत का कार्य नहीं कराया कराया गया.

स्वच्छता अभियान के तहत ई-रिक्शा में घोटाला हो सकता है मामले की जांच होने के बाद ही कुछ कहा जा सकता है

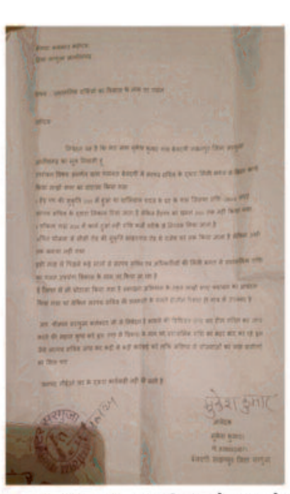

मूलभूत व 15 वित योजनाओं का सही उपयोग सरपंच सचिव के द्वारा राशि का नहीं किया गया

ग्राम पंचायत की भ्रष्टाचार की खबर अखबारों में प्रकाशित किया गया था टीवी चैनलों में भी खबर लगा था लेकिन जनपद पंचायत के अधिकारी सीईओ ने सरपंच सचिव के ऊपर कोई कारवाई आखिरकार क्यों नहीं किया गया

सरगुजा कलेक्टर को आवेदन देने बाद क्या गांव की जांच हो पाएगी या नहीं प्रशासनिक राशि का गमन हुआ है उस राशि से पंचायत की विकास हो पाती है कि नहीं देखने वाली बात रहेगी

सरगुजा कलेक्टर कब तक मामले की जांच और कार्रवाई करेंगे.

चार दिवसीय राज्य स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी की हुई शुरुआत

» 18 अक्टूबर तक आयोजित कार्यक्रम में 9 जोन के चार सौ से अधिक प्रतिभागी लेंगे हिस्सा

- संवाददाता -
अंबिकापुर,15 अक्टूबर 2024
(घटती-घटना)।

राज्य स्तरीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी एवं राष्ट्रीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी, पश्चिम भारत विज्ञान मेला एवं विज्ञान नाटिका प्रतियोगिता 2024-25 की शुभारंभ मंगलवार को सरस्वती शिक्षा महाविद्यालय में हुई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में विधायक लुण्ड्रा श्री प्रबोध मिंज उपस्थित रहे और कार्यक्रम की अध्यक्षता विधायक अम्बिकापुर श्री राजेश अग्रवाल ने की। इस दौरान विशिष्ट अतिथि के रूप में महापौर डॉ. अजय तिर्की, पूर्व सांसद श्री कमलभान सिंह,सरगुजा संभागायुक्त श्री जीआर चुरेन्द्र, स्थानीय जनप्रतिनिधियों में श्री करताराम गुप्ता, श्री हरमिंदर सिंह टिन्नी, श्री सुधांशु घोष, श्रीमती मंजूषा भगत, अधिकारी-कर्मचारी, विभिन्न जोन से आये हुए प्रतिभागी छात्र-छात्राएं एवं शिक्षक-शिक्षिका उपस्थित रहे।

इस अवसर पर संयुक्त संचालक लोक शिक्षण संभाग सरगुजा श्री संजय कुमार गुप्ता ने कार्यक्रम की रूपरेखा एवं आवश्यक जानकारी सभी के समक्ष रखते हुए बताया कि छत्तीसगढ़ विज्ञान प्रौद्योगिकी के सहयोग एवं राज्य शैक्षिण अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद रायपुर के सौजन्य से चार दिवसीय राज्य स्तरीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी एवं राष्ट्रीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी, पश्चिम भारत विज्ञान मेला एवं विज्ञान नाटिका प्रतियोगिता 2024-25 का चार दिवसीय आयोजन 15 अक्टूबर से प्रारंभ होकर 18 अक्टूबर तक होगा। आयोजन में राज्य स्तरीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी व राष्ट्रीय बाल विज्ञान प्रदर्शनी, पश्चिम भारत विज्ञान मेला, विज्ञान नाटिका,प्रश्न मंच, विज्ञान क्लब,विज्ञान संगोष्ठी में अम्बिकापुर,बिलासपुर,दुर्ग,दंतेवाड़ा, जगदलपुर,कवर्धा,कांकेर,रायपुर एवं रायगढ़ जोन के 419 बालक-बालिका प्रतिभागी हिस्सा लेंगे। उन्होंने बताया कि प्रतिभागियों एवं शिक्षकों के लिए आवासीय व्यवस्था, प्रतियोगिता स्थल में आवागमन, भोजन, स्वास्थ्य, सुरक्षा से सम्बंधित सभी व्यवस्थाएं की गई है।

लुंड्रा विधायक श्री प्रबोध मिंज ने कहा कि यह कार्यक्रम बाल वैज्ञानिकों के लिए आयोजित हो रहा है। आविष्कारों से ही दुनिया आज इस स्तर पर पहुंची है, हमारे जीवन शैली में जो परिवर्तन हुआ है, यह विज्ञान से ही सम्भव हो पाया है। उन्होंने प्रतिभागियों को अच्छे प्रदर्शन हेतु शुभकामनाएं दीं।

अम्बिकापुर विधायक श्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि हमारे देश के पूर्व राष्ट्रपति डॉ एपीजे अब्दुल कलाम की जयंती को प्रतिवर्ष विश्व विद्यार्थी दिवस के रूप में मनाया जाता है। उन्होंने प्रतिभगियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि ज्ञान के महत्व को समझें। महापौर डॉ अजय तिर्की ने भी सभी बच्चों को प्रतियोगिता हेतु शुभकामनाएं दीं तथा कहा कि अच्छा प्रदर्शन कर आप राष्ट्रीय प्रतियोगिता में शामिल हों।

पूर्व सांसद कमलभान सिंह ने कहा कि आज के बच्चे कल के भविष्य के रुप में हैं। अपनी प्रतिभा को मेहनत कर निखारें। सम्भागायुक्त श्री जी आर चुरेन्द्र ने सभी प्रतिभागियों को अच्छे प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दीं तथा कहा कि आप सभी अपने ज्ञान को बढ़ाने का प्रयास करते रहें। उन्होंने आयोजन के लिए सभी अधिकारियों को बधाई दी तथा उत्तम व्यवस्था हेतु निर्देशित किया।

विभिन्न विषयों पर आधारित बनाए गए ज्ञानवर्धक मॉडल

प्रतिभागियों ने विभिन्न विषयों पर आधारित मॉडल का प्रदर्शन किया,अतिथियों द्वारा मॉडलों का अवलोकन किया गया। भौतिकी, कम्प्यूटर विज्ञान, गणित, इंजीनियरिंग, पर्यावरण विज्ञान, रसायन विज्ञान पृथ्वी एवं अंतरिक्ष विज्ञान, खाद्य स्वास्थ्य एवं स्वच्छता, संचार एवं परिवहन, प्राकृतिक खेती, आपदा प्रबंधन, अपशिष्ट प्रबंधन,संसाधन प्रबंधन से संबंधित विषयों पर अपनी विद्या का प्रदर्शन किया गया है। राज्य स्तर पर चयनित प्रतिभागी राष्ट्रीय विज्ञान प्रदर्शनी में भाग लेंगे।

जिलाबदर का आरोपी चंदन शर्मा के नाम एक और मामला दर्ज

-विशेष संवाददाता-
चिरमिरी, 15 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

आदतन अपराधी का अपने नाम के सामने उपाधि पाने वाले चंदन शर्मा अपनी आदतों से बाज नहीं आ रहे, जिस वजह से उनके साथ कोई ना कोई नया अपराध जोड़ी जाता है, एक बार फिर वह एक नए अपराध से जुड़े हुए हैं इनके ऊपर एक बार फिर मारपीट का अपराध दर्ज हुआ। सवाल यह उठता है कि क्या चंदन शर्मा सुधारना नहीं चाहते या फिर उनके आदत में ही यह चीज शुमार हो चुकी है? आखिर यह कब तक मारपीट करते रहेंगे और अपराध पंजीकृत करते रहेंगे? इनका कोरिया,एमसीबी, सूरजपुर जिले के कई थानों में लुट, मारपीट, अपहरण हत्या का प्रयास जैसे कई मामलों में अपराधिक प्रकरण दर्ज है, आदतन अपराधि जिलाबदर चंदन शर्मा का हौसला इस कदर बढ़ा हुआ है कि अब अपना दबदबा दिखाने के लिए जनप्रतिनिधियों के परिवार के सदस्यों को बीच राह में रोक कर अपने साथियों सहित मारपीट के साथ साथ रुपयों पैसों की भी लूट करने लगा है, मामला बीते रविवार की रात नगर पालिक निगम चिरमिरी के वाटर एटीएम में कार्य करने वाले वार्ड नंबर 34 के पार्षद संदीप सोनवानी के छोटे भाई चंदन सोनवानी वाटर एटीम को बंद कर अपने घर जा रहा था, इस दौरान आदतन अपराधी जिला बदर चंदन शर्मा अपने साथी सागर गुप्ता मनेंद्रगढ़ एवं अन्य सहयोगियों के साथ दुकान के पास खड़े होकर बात कर पार्षद के भाई को मां बहन की गाली देते हुए मारने लगे साथ ही उसके शर्ट के जेब में रखे वाटर एटीम के लगभग 2700 रुपए को लुट कर ले गए, पुलिस अधीक्षक ने शिकायत होने पर पूरे मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल इसकी एफ आई आर दर्ज करने हेतु थाना चिरिमिरी को निर्देशित किया गया। जिसकी रिपोर्ट चिरमिरी थाने में दर्ज कराई गई जहां आदतन अपराधी जिलाबदर चंदन शर्मा एवं उसके साथियों पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस),2023115(2)296 भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), 2023 भारतीय न्याय संहिता (बी एन एस), 2023 3(5) भारतीय न्याय संहिता (बी एन एस), 2023 309(6) भारतीय न्याय संहिता (बी एन एस), 2023 351(2) के तहत मामला पंजीबद्ध कर लिया गया है। आपको बतादें की चंदन शर्मा पर इससे पहले जिला बदर की कार्यवाही भी की जा चुकी है ठीक इसी तरह कल सूरजपुर जिले में ऐसी ही आदतन अपराधि के द्वारा पुलिस के परिवार में पत्नी और बच्ची की निर्मम हत्या कर दिया गया था यहां पुलिस को भी ऐसे आदतन लोगों पर प्रतिबंधात्मक कार्यवाही करनी चाहिए ताकि सूरजपुर जैसी घटना दुबारा कहीं ना हो। वही सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार पुलिस द्वारा आरोपी को पकड़ने घर पर दबिश भी दिया गया है जिसकी भनक आरोपी को लगते ही फरार बताया जा रहा है।चंदन शर्मा जिस प्रकार के अपराधी हैं आखिर उनके साथ मंत्री विधायकों का घूमना भी कहीं ना कहीं संरक्षण देने जैसा प्रतीत होता है।

मांड नदी से हो रहे अवैध रेत उत्खनन की शिकायत पर खनिज विभाग ने की कार्यवाही

-संवाददाता-
कोरबा, 15 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

जिले के भैसमा तहसील के ग्राम कुदमुरा में मांड नदी से अवैध रेत उत्खनन और परिवहन की बार बार शिकायत पर खनिज विभाग ने उक्त मामले मे गंभीरता दिखाते हुए की कार्यवाही । दिनांक 14 अक्टूबर 2024 की रात्रि में खनिज विभाग की टीम ने अवैध उत्खनन में संलग्न एक चैन माउंटेन मशीन (हुंडई 210) को जप्त कर लिया है। इस कार्यवाही को खान एवं खनिज (विकास और विनियमन) अधिनियम 1957 की धारा 21 के तहत अंजाम दिया गया। जानकारी के अनुसार, मांड नदी में लंबे समय से अवैध तरीके से रेत का उत्खनन और परिवहन किया जा रहा था, जिसकी कई बार स्थानीय लोगों ने शिकायत की थी। शिकायत मिलने पर खनिज विभाग ने त्वरित कार्यवाही करते हुए रेड की कार्यवाही की एवं की गई शिकायत की पुष्टि होने पर मौके से मशीन को जब्त किया गया है। खनिज विभाग के अधिकारियों के अनुसार, अवैध उत्खनन से न केवल पर्यावरण को नुकसान पहुँच रहा है, बल्कि यह सरकारी नियमों का भी उल्लंघन है। अवैध रेत उत्खनन से नदी का प्राकृतिक संतुलन बिगड़ता है, जिससे भविष्य में गंभीर समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। इस कारण सरकार ने ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई का प्रावधान किया है। विभाग की इस त्वरित कार्यवाही से अवैध उत्खनन में संलग्न लोगों में हड़कंप मच गया है। खनिज विभाग के द्वारा आगे भी इस प्रकार की गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है और आवश्यकतानुसार कार्यवाही की जाएगी। इस मामले में विभाग ने स्पष्ट किया है कि दोषियों पर कानूनी कार्रवाई जारी रहेगी और अवैध खनिज सम्बंधित गतिविधियों जुड़े लोगों को बक्शा नही जाएगा।

जनजातीय गौरव स्मृति कार्यक्रम के अंतर्गत किया गया निबंध प्रतियोगिता का आयोजन

-संवाददाता-
बलरामपुर, 15 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था राजपुर में जनजातीय गौरव स्मृति कार्यक्रम के अन्तर्गत जनजातीय समाज का गौरवशाली अतीत (ऐतिहासिक, सामाजिक एवं आध्यात्मिक) विषय पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में कुल 35 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। प्रतियोगिता का मूल उद्देश्य छात्र-छात्राओं में जनजातीय समाज के गौरवशाली अतीत के प्रति सम्मान, प्रेम, जागरूकता एवं उसके संस्कृति/परम्परा की जानकारी उपलब्ध करा कर अगली पीढ़ी को अपने समाज के प्रति आदर-भाव जागृत करना है। कार्यक्रम का संचालन संस्था प्रमुख श्रीमती नीरा वर्मा के निर्देशन में किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में जिला स्तरीय संयोजक श्री दिनेश कुमार एवं सह-संयोजक श्री इस्माइल लकड़ा के साथ श्री अमीर हसन अंसारी, श्री कृष्ण कुमार महिलाने, श्री साकेत कुमार यादव, सुश्री आरती देवागन, श्री नवलाल राम आदि ने अहम भूमिका निभाई। उत्कृष्ट प्रतिभागियों को आगामी दिनों में प्रमाण-पत्र से सम्मानित किया जाएगा।

श्रीवास नाई सामाजिक कल्याण समिति का 19वां स्थापना दिवस कल

-संवाददाता-
कोरबा, 15 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

श्रीवास नाई कल्याण समिति का 19 वां स्थापना दिवस व शरद पूर्णिमा का आयोजन 17 अक्टूबर को शाम 4 बजे अंजनी कुंज श्रीवास सामुदायिक भवन में आयोजित किया गया है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि उद्योग वाणिज्य व श्रम मंत्री लखन लाल देवांगन होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता सेन नाई समाज के प्रथम विधायक रिकेश सेन करेंगे। उक्त जानकारी श्रीवास नाई सामाजिक कल्याण समिति के पदाधिकारियों ने प्रेस क्लब तिलक भवन में आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान दी।

पदाधिकारियों ने बताया कि कार्यक्रम में सेलून व पार्लर संघ के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया है साथ ही दानदाताओं का सम्मान भी किया जाएगा। शरद पूर्णिमा व स्थापना दिवस पर हर साल की तरह इस वर्ष भी महिलाओं व बच्चों द्वारा गरबा डांडिया का आयोजन किया जाएगा। प्रसाद वितरण कर कार्यक्रम का समापन किया जाएगा। पदाधिकारियों ने बताया कि समिति शुरूआत से ही सेवा भावी कार्यो से जुड़ी रही है। समाज सेवी कार्यो को निरंतर आगे बढ़ाने का काम सामाज द्वारा किया जा रहा है। समाज द्वारा राष्ट्रीय पर्वो पर ध्वजा रोहण कर कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है। राष्ट्रीय एकता को सुदृढ़ करने की भावना से कार्यक्रम का आयोजन किया जाता रहा है। इसके अलावा जरूरत मंदों को रक्त मिल सके इसके लिए समाज के सदस्यों द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन समय समय पर किया जाता रहा है। समाज में फैली रूढ़ीवादी व अंधविश्वास को खत्म करने की सोच के साथ बालिका शिक्षा को बढ़ावा दिया जा रहा है। समाज की महिलाओं का चहुमुंखी विकास हो इसके लिए विभिन्न आयोजन भी किए जाते रहे है जिसके लिए समाज की महिलाओं की अलग समिति भी गठित है। पदाधिकारियों ने पत्रकार वार्ता मे बताया कि स्थापना दिवस मनाने का मकशद यह है कि हमने समाज को किस रूप में देखा था,उसमें कितना काम हुआ और उसमे क्या सुधार कर सकते है। प्रेस वार्ता में समिति अध्यक्ष मोहन लाल श्रीवास उपाध्यक्ष कन्हैया लाल श्रीवास, महासचिव शत्रुघन श्रीवास,कोषाध्यक्ष कृष्णकुमार श्रीवास,सदस्य रमेश कुमार श्रीवास, उदय राम श्रीवास,जगदीश श्रीवास, घनश्याम श्रीवास सहित अन्य उपस्थित थे।

स्टेट बैंक में वित्तीय साक्षरता शिविर का आयोजन

-संवाददाता-
बलरामपुर, 15 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

भारतीय स्टेट बैंक शाखा रामानुजगंज एवं छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन ''बिहान'' के सयुंक्त तत्वाधान में विकासखण्ड रामचंद्रपुर के ग्राम पंचायत चिनिया में स्टेट बैंक रामानुजगंज के सेवा क्षेत्र में आने वाले ग्रामों चिनियां, शिवपुर, छत्तरपुर, इन्द्रपुर, कमलपुर, चाकी एवं लावा महिलाएं जो बिहान से जुड़ी हुई है। उनके बीच वितिय साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें स्टेट बैंक रामानुजगंज के शाखा प्रबंधक श्री दिलीप कुमार झा द्वारा एनआरएलएम बिहान के प्रकरणों का एक सप्ताह के समय-सीमा के शत-प्रतिशत स्वीकृति एवं वितरण सुनिश्चित करने का आश्वासन दिया गया। साथ ही वित्तीय साक्षरता शिविर के तहत् नये समूहों का तत्काल खाता खोलने, व्यक्तिगत खाता खोलने हेतु जीरो बैलेंस पर खाता खोलने (अनिवार्य है) कहा गया। साथ ही उन्होंने सदस्यों का प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना/प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के तहत् बीमा करते हुये सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने हेतु विशेष पहल तथा साइबर क्राइम से जुड़े विषयों पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने उपस्थित बिहान की की महिला सदस्यों से कहा कि किसी अनजान व्यक्ति को अपना खाता व आधार नंबर नहीं दें। साथ ही किसी प्रकार के ओटीपी नंबर किसी अनजान व्यक्ति को ना देने की सलाह दी गई। साथ ही उन्होंने बैंक लिंकेज के आलावा जो व्यक्ति अपना खुद का कोई व्यवसाय शुरू करना चाहता है तो इसे मुद्रा लोन के तहत् 01 लाख तक लोन देने की बात कही गयी। आज के वितिय साक्षरता शिविर में स्टेट बैंक रामानुजगंज के शाखा प्रबंधक श्री दिलीप कुमार झा, फिल्ड आफिसर श्री रामाकांत दुबे एवं सपोर्टिंग स्टाफ सुनील गुप्ता एवं एनआरएलएम बिहान रामचंद्रपुर से बीपीएम,क्षेत्रीय समन्वयक, पीआरपी एवं एफएल सीआरपी व अन्य कैडर उपस्थित थे।

विकासखंड स्तरीय ऐथेलेटिक खेल का किया गया आयोजन

-संवाददाता-
कुसमी, 15 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

खेल युवा कल्याण विभाग के द्वारा विकासखंड स्तरीय महिला ऐथेलेटिक खेल का हाईस्कुल मैदान में किया गया आयोजन,दरसल प्राप्त जानकारी के मुताबिक खेल युवा कल्याण विभाग के द्वारा आने वाले कुछ माह में जिला स्तरीय महिला ऐथेलेटिक खेल का आयोजन कराया जाना है जिसे लेकर कुसमी विकासखंड अंतरगंत विभिन्न स्कुलों के छात्राओं के चयन के लिय मंगलवार से ऐथेलेटिक खेल जिनमें दौड़,खो-खो,तावा फेक, वॉलीबाल, फुटबाल, रस्साकसी, बैडमिंटन, हॉकी, वेटलिफ्टिंग सहित अन्य खेल का आयोजन कराया जा रहा है ,विभिन्न खेलों में अच्छे खेलने वाले खिलाडियो का चयन भी किया जा रहा है ताकि विकासखंड स्तर से अच्छी टीम बन सके। कुसमी विकासखंड के विभिन्न स्कुलों में पढ़ने वाली छात्रायें काफी संख्या में कुसमी हाईस्कुल मैदान में ऐथेलेटिक खेल में भाग ली है वही खेल मैदान में पहुचें सहायक विकासखंड शिक्षा अधिकारी नंद कुमार गुप्ता,शासकीय हाईस्कुल भुलसी के प्रचार्य राजेन्द्र यादव,अशुतोष कुजूर. उमेश गुप्ता,मधेश्वर बढईक,चद्रशेखर राठौर,अनुप जायसवाल,केलेटेसिया कुजूर,सहित अन्य शिक्षक गण छात्राओं के खेल का प्रदर्शन देख कर उनका चयन भी करेंगे।

मुख्यमंत्री द्वारा चेक वितरण कर एनआरएलएम के दीदी को दिया गया बीमा का लाभ

-संवाददाता-
सूरजपुर, 15 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

ग्राम पंचायत सिलौटा जनपद प्रतापपुर में आयोजित सीएम कार्यक्रम में श्री विष्णु देव साय माननीय मुख्यमंत्री द्वारा दीनदयाल अंत्योदय राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन योजना अंतगर्त निलेश्वरी को बीमा का लाभ प्रदान करते हुए चेक वितरण कर आर्थिक सहायता प्रदान किया गया। गौरतलब है कि ग्राम पंचायत गोविंदपुर में जर्मनिया दीदी शिव आजीविका समूह से जुड़ी हुई थी एवं एनआरएलएम (बिहान) के एफएलसीआरपी द्वारा जर्मनिया दीदी को छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक गोविंदपुर में प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना कराया गया था।

जर्मनिया दीदी की मृत्यु उपरांत उनकी बेटी निलेश्वरी को प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के तहत 2.00 लाख का चेक प्रदान किया गया। जिससे उसके परिवार की आर्थिक स्थिति में बहुत मददगार साबित हुआ।

सूरजपुर दोहरे हत्याकांड में जान गंवाने वाले मां बेटी के जनाजे में शामिल हुए एमसीबी के पुलिस अधीक्षक चंद्रमोहन सिंह

पुलिस में प्रधान आरक्षक हैं तालिब शेख जिनकी पत्नी और बेटी की हुई है बेरहमी से हत्या

सुरजपुर पुलिस थाने में पदस्थ तालिब शेख की पत्नी और बेटी की हत्या में कुलदीप साहू नाम के आदतन अपराधी का है हांथ पुलिस को है पक्का शक

-संवाददाता-
मनेन्द्रगढ़, 15 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

सुरजपुर जिले के कोतवाली थाने में पदस्थ प्रधान आरक्षक तालिब शेख की पत्नी और पुत्री जी हत्या 13 अक्टूबर की रात में अज्ञात आरोपियों के द्वारा कर दी गई थी वहीं 14 अक्टूबर को सुबह पुलिस को प्रधान आरक्षक तालिब शेख की पत्नी और बेटी का शव घर से 4 किमी दूर मिला था और शव को देखकर ही यह स्पष्ट हो गया था कि दोनों की हत्या की गई थी और उसके उपरांत दोनों के शव को ले जाकर वहां फेंक दिया गया था। वैसे दोनों मां बेटी की हत्या ककुलदीप साहू नाम के आदतन अपराधी ने किया है यह पुलिस को पहले दिन से ही शक है और सभी सबूत भी इसी ओर फिलहाल इशारा कर रहे हैं लेकिन पुलिस अभी कुलदीप साहू सहित उसके साथियों की तलाश जुटी थी, वहीं वह सभी संभावनाओं के साथ इस मामले को सुलझाने में साथ ही आरोपियों की जल्द से जल्द गिरफ्तारी के लिए लगातार प्रयास कर रही साम 4 बजे पकड़ने में सफलता भी मिली है।

इसी बीच 15 अक्टूबर को सुबह 10 बजे मनेंद्रगढ़ में प्रधान आरक्षक तालिब शेख के गृह निवास से उसकी मृत पत्नी और पुत्री का जनाजा निकाला गया जहां एमसीबी जिले के पुलिस अधीक्षक खुद जनाजे में शामिल हुए और पुलिस अधीक्षक चंद्रमोहन सिंह ने खुद जनाजे को कंधा देकर पुलिस परिवार के शोकग्रस्त प्रधान आरक्षक और उसके परिवार को सांत्वना प्रदान की। वैसे एमसीबी जिले के पुलिस अधीक्षक चंद्रमोहन सिंह का जनाजे में पहुंचना और जनाजे को कंधा देना काफी बड़ा सन्देश देता कदम कहा जा सकता है जहां वह एक तरफ पुलिस जवान को उसके परिवार को भी ढांढस बंधवा रहे हैं सांत्वना दे रहे हैं हिम्मत दे रहे हैं साथ ही वह यह ही संदेश दे रहे हैं कि अपराध और जघन्य अपराध के संदर्भ में जहां पुलिस अपना काम अपराध के विरुद्ध कड़ाई से करेगी वहीं जिले में कानून व्यवस्था की स्थिति बेहतर है और जिले सहित मुख्यालय में कानून को लेकर वह सतर्क हैं यह उनका संदेश रहा जनाजे में शामिल होने को लेकर। पुलिस अधीक्षक एमसीबी ने परिवार को पहले ढांढस बंधाया अपने विभाग में ही प्रधान आरक्षक बतौर कार्यरत तालिब शेख को उन्होंने इस कठिन समय में धैर्य और साहस के साथ निर्णय और कार्य करने की भी बात कही। मंगलवार को निवास स्थल टीवी टावर रोड से मौहारपारा के कब्रिस्तान में सुपुर्द-ए-खाक किया गया। इस दौरान काफी संख्या में परिजन व मुस्लिम समाज के लोग शामिल रहे।

न्यायालय तहसीलदार अंबिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांकः, 202410020700015

विषयः-अ-6-अ मामले की श्रेणीः-राजस्व सन्ः-2024-25
सुखरी (प.ह.नं.00029 हे.)
पक्षकारों का विवरणः-
आवेदक पक्षकार-राखी सिन्हा,
अनावेदक पक्षकार-छ0ग0शासन,

ईश्तहार

आवेदिका राखी सिन्हा पति संतोष कुमार सिन्हा निवासी केदारपुर नगर अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम सुखरी स्थित भूमि खसरा नंबर 340/1 मे से रकबा 0.080 हे0 भूमि क्रय की गई थी, जिसका नामांतरण क्रमांक 18 दिनांक 02/08/2018 के द्वारा खसरा नंबर 340/4 रकबा 0.080 हे0 आवेदिका के नाम पर नामांतरित हुआ किन्तु ऑनलाईन में प्रविष्टि किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 25/10/2024 के पुर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावाआपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।
यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 01/10/2024 को जारी किया जाता हैं।

सील
तहसीलदार
अंबिकापुर

न्यायालय तहसीलदार अंबिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांकः, 202410020700058

विषयः-ब-121 मामले की श्रेणीः-राजस्व सन्ः-2024-25
उदयपुरढाव (प.ह.नं.00030 हे.)
पक्षकारों का विवरणः-
आवेदक पक्षकार-सालिक राम राजवाड़े,
अनावेदक पक्षकार-छ0ग0शासन,

ईश्तहार

आवेदक सालिक राम राजवाड़े आ0 स्व0 रूपन, निवासी ग्राम, उदयपुरढाव, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत कर बताया गया है कि आवेदक के स्वामित्व एवं आधिपत्य की ग्राम उदयपुरढाव स्थित खसरा नंबर 3.57/2 रकबा 0.162 हे0 के स्थान पर रकबा 0.016 हे0 अंकित हो गया है। आवेदक द्वारा उक्त त्रुटि सुधार किये जाने हेतु आवेदन पत्र अनुविभागीय अधिकारी महोदय अम्बिकापुर के समक्ष में प्रस्तुत किया गया है, जो जांच प्रतिवेदन हेतु इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 25/10/2024 के पूर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावाआपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।
यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 03/10/2024 को जारी किया जाता हैं।

सील
तहसीलदार
अंबिकापुर

न्यायालय तहसीलदार तहसील भैयाथान, जिला सूरजपुर,छ0ग0

ईश्तहार

रा0प्र0क्र0 202409261000006/ ब-121/2024
पक्षकार (कन्या देवी प्रति छ0ग0 शासन)

आम जनता ग्राम बड़सरा प0ह0नं0-04रा0नि0मं0 शिवप्रसादनगर तहसील भैयाथान, जिला सूरजपुर, छ0ग0 को सूचित किया जाता है कि आवेदक कन्या देवी पति रामकुमार उम्र 50 वर्ष जाति गोड़ निवासी ग्राम बडसरा तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर छ0ग0 ने अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि खसरा नंबर 234 रकबा 0.24 हे0 भूमि ग्राम बड़सरा प0ह0नं0 04 रा0नि0मं0 शिवप्रसादनगर में स्थित है। उक्त भूमि के राजस्व अभिलेखों में त्रुटिवश मुन्नी बाई पति रामकुमार दर्ज है जबकि आवेदिका का वास्तविक नाम आधार कार्ड व अन्य सभी दस्तावेज में कन्या देवी है। जो सत्य सही है। जिसे सुधार कर राजस्व अभिलेखों में दर्ज कराने हेतु आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा 115 के तहत आवेदन मय दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है। जिस पर कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है।

अतः जिस किसी हितबद्ध पक्षकार को आपत्ति हो तो वह अपना आक्षेप व अपना दावा आपत्ति स्वयं/अधिवक्ता/आममुख्तार के माध्यम से दिनांक 23/10/2024 तक मेरे न्यायालय में प्रस्तुत कर सकता है नियत तिथि के पश्चात प्राप्त आक्षेप पर कोई विचार नहीं किया जायेगा एवं तदानुसार कार्यवाही कर दी जावेगी।

आज दिनांक 08/10/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया है।

सील
तहसीलदार
भैयाथान,जि0-सूरजपुर

Name Change

I SONAM RABJE S/O Shri TENDOR Resident of House No. 33, Camp No. - 02, Ropakhar, Post-Kamleshwarpur, Mainpat,Dist.- Surguja.Pin.- 497111,C.G.,India Hereby declare that have changed my name from OBEROI S/O Shri TENDOR In all the Government approved Identitty proofs to be used for various purpose in the future.

Deponent
Name :- OBEROI
Adress:- Resident of House No. 33, Camp No. - 02, Ropakhar, Post- Kamleshwarpur, Mainpat, Dist.- Surguja.Pin.- 497111,C.G.,India

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा,छत्तीसगढ़

रा0प्र0क्र0202209020700025/ अ-27/2021-22

फर्द बटवारा का अंतिम प्रकाशन

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि इस न्यायालय के रा0प्र0क्र0 202209020700025/अ-27/ 2021-22 पक्षकार हेमलता यादव प्रति रीनू यादव उर्फनिरी यादव वगै0 में ग्राम सांडबार स्थित खसरा नंबर 182/15 रकबा 0.108 हे0 भूमि का फर्द बंटवारा सूची हल्का पटवारी से प्राप्त है जिसका अंतिम प्रकाशन कराया जा रहा है। अतः उक्त फर्द बंटवारा में किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 28/10/2024 को न्यायालय में स्वयं, अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोईविचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 07/10/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

सील
तहसीलदार
अम्बिकापुर,सरगुजा

सूरजपुर के प्रधान आरक्षक की पत्नी व बेटी की हत्या का अपराधी

कुलदीप साहू बलरामपुर से गिरफ्तार

हत्या करने के बाद झारखंड हो गया था फरार,पुलिस की कई टीमें लगी थीं खोजबीन में

बलरामपुर पुलिस ने लोकेशन किया ट्रेस,झारखंड के गोदरमाना में दबोचा गया आरोपी

पूरे प्रदेश के लोग कर रहे थे प्रार्थना,तत्काल पकड़ा जाए आरोपी

विपक्ष मामले पर दे रहा प्रतिक्रिया वहीं सत्ताधारी खामोश ?

घटना के 48 घंटे के भीतर पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार

-ओंकार पाण्डेय-
सूरजपुर,15 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

सूरजपुर कोतवाली में पदस्थ प्रधान आरक्षक तालिब शेख की पत्नी व बेटी की हत्या करने वाले कुख्यात अपराधी कुलदीप साहू को बलरामपुर पुलिस ने से गिरफ्तार कर लिया है। उसे कड़ी सूरक्षा के बीच सूरजपुर लाया गया है। बलरामपुर पुलिस ने उसका लोकेशन ट्रेस किया तो वह झारखंड के गोदरमाना इलाके में मिला,गोदरमाना इलाका झारखंड का वह इलाका है जो एक नदी पार करते ही आ जाता है और वह बलरामपुर से लगा है। आरोपी साथ अंबिकापुर वापस आने के लिए बस में चढ़ा था। इसी बीच छत्तीसगढ़ सीमा से लगे झारखंड के गोदरमाना में थाने के सामने बस को रुकवाकर पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया।

ज्ञात हो की छत्तीसगढ़ प्रदेश अशांत प्रदेश कहलाने लगा है क्योंकि छत्तीसगढ़ में नए-नए मामले सामने आने लगे हैं अपराध का बढ़ रहा ग्राफ और पुलिस हो गई लाचार, आखिर पुलिस प्रशासन को ईमानदारी से काम करने की नसीहत कब देगी सरकार? पुलिस के लिए आज जो मुसीबत खड़ी हुई है उसमें भी कहीं ना कहीं पुलिस की ही

कार्यप्रणाली दोषपूर्ण कही जा सकती है,ऐसा इसलिए कहा जा रहा है क्योंकि आज यदि कोई अपराधी या उस प्रवृति का व्यक्ति इतनी हिम्मत जुटा पा रहा है कि वह पुलिसकर्मी के घर ही धावा बोल रहा है महिलाओं बच्चियों की निर्मम हत्या कर रहा है शव को दूर ले जाकर फेंकने की हिम्मत कर पा रहा है हत्या उपरांत भी भय का उसे यदि आभास नहीं है कानून का डर नहीं है तो यह डर पुलिस ने ही उसका खत्म किया है किसी और ने नहीं। छोटे छोटे अपराधों में छोटी सजा या कुछ बीच का रास्ता बना बनाकर ही कोई अपराधी अपराधी बनता है, और लगातार वह कानून के रखवालों के संपर्क में रहते हुए उनसे या तो अपराध के संबंध में दंडित होकर या उस संबंध में बातचीत करकर वह बरी होता रहता है और एक उसकी आदत भी बन जाती है और आदतन वह जब धीरे धीरे होता जाता है तो उसे यह भी आभास हो जाता है कि किसी मामले में पुलिस से उसे कितनी प्रताड़ना मिल सकती है,और फिर वह अपराध करने से हिचकिचाता नहीं है और न दंड से भयभीत होता है वहीं बीच के रास्ते वाली पद्धति से वह काफी वाकिफ हो जाता है और वह जब बीच का रास्ता वाला मसला भी समझ जाता है तब वह एक बड़े अपराध के लिए तैयार हो जाता है। और सुरजपुर के मामले में कहीं न कहीं यही हुआ। सुरजपुर पुलिस परिवार दोहरा हत्याकांड यह बतलाता है कि आरोपी को प्रोत्साहित किया गया जिस वजह से आज आरोपी ने इतना बड़ा कांड कर दिया। हम बात कर रहे हैं सूरजपुर जिले के कोतवाली थाना में पदस्थ प्रधान आरक्षक की पत्नी व बेटी की हत्या के मामले की यह हत्या सभी के दिलों को झकझोर देने वाली वाली है, घटना को लेकर सभी में आक्रोश है और निंदा भी हो रही है कि ऐसा कृत्य नहीं होना चाहिए पर यह कृत्य जिसे क्रूरता के साथ आरोपी ने किया है यह बताता है कि आरोपी के अंदर कितनी क्रूरता थी कि उसे यह भी एहसास नहीं हुआ कि वह क्या करने जा रहा है और कितनी बड़ी घटना को अंजाम देने जा रहा है।

छत्तीसगढ़ ऐसे अपराध की कल्पना नहीं किया था...

छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले में जो हुआ है,वैसा के किसी भी दूसरे राज्य में सुनाई नहीं पड़ा। एक पेशेवर अपराधी को जिलाबदर किया गया था, लेकिन वह दौलत और राजनीतिक पहुंच की अपनी ताकत के साथ कानून के खिलाफ काम करते रहा। उसके गुनाह के धंधे पर कार्रवाई करती पुलिस को पिछले दो-तीन दिनों में ही उसने कड़ाही में खौलता तेल फेंककर जलाया,गाड़ी से कुचलने की कोशिश की,और एक हेडकांस्टेबल के घर पहुंचकर उसकी बीवी और बेटी को चाकू तलवार से मार डाला, और लाशों को ले जाकर बाहर खेतों में फेंक दिया। अब तक कई जगहों पर यह तो सुनाई पड़ा था कि कार्रवाई करने वाली पुलिस या दूसरे अफसर को मार दिया,लेकिन यह कहीं सुनाई नहीं पढ़ा था कि पुलिस के परिवार के साथ ऐसा भयानक अपराध किया गया हो। छत्तीसगढ़ के दूसरे सिरे पर बस्तर के इलाके में नक्सली भी कई किस्म की हिंसा करते हैं, पुलिस-मुखबिरी की बात कह कर लगाकर वे अपनी फर्जी जनसुनवाई करके कुछ लोगों को मार भी डालते हैं,लेकिन किसी पुलिस परिवार के साथ नक्सलियों ने भी आज तक ऐसा नहीं किया है जो कि एक कबाड़ और दूसरे किस्म के धंधे करने वाले इस कुलदीप ने किया है।

10 महीने के कार्यकाल में छत्तीसगढ़ ने यह भी देखा

प्रदेश के ताकतवर गृहमंत्री विजय शर्मा उपमुख्यमंत्री भी हैं उनका अपना गृहजिला कवर्धा पिछले महीने भर में जितने किस्म की हिंसक अराजकता देख चुका है,वैसा शायद ही कभी उस जिले में या किसी एक जिले में हुआ हो। अभी कुछ महीनों के भीतर छत्तीसगढ़ के एक दूसरे जिले, बलौदाबाजार-भाटापारा में जिस तरह सतनामी समाज के एक प्रदर्शन के बाद वहां के कलेक्टर और एसपी के दफ्तरों को जलाया गया, वैसा भी देश में कभी किसी और जगह पर नहीं हुआ था। इन बड़ी घटनाओं के बीच, और आगे-पीछे छत्तीसगढ़ में हिंसक और जानलेवा जुर्म,बलात्कार और गैंगरेप जैसे मामले इस हद तक बढ़े हुए दिख रहे हैं कि जैसा पहले कभी नहीं हुआ था। जादू-टोने की तोहमत लगाकर लोगों को थोक में मार डालने के मामले हो रहे हैं,और पशु व्यापारियों को गाय तस्कर बताकर खुलेआम मार डाला जा रहा है,और पुलिस ऐसे मामले को हल्का बनाने में जुटी हुई दिखती है। यह भी पहली बार ही हुआ है कि त्यौहारों पर जब पुलिस को अधिक चौकस रहना चाहिए, उसे कांवडियों की आरती उतारने, और उन पर फूल बरसाने का हुक्म दिया गया,और फिर इस भक्तिभाव के वीडियो बनाकर उसे पुलिस के सबसे महान काम की तरह प्रचारित किया गया। अचानक ही पूरे प्रदेश में जिस तरह बड़े पैमाने पर चाकूबाजी की वारदातें हो रही हैं,तरह-तरह के गैंगवॉर हो रहे हैं,उससे भी आम जनता दहशत में है। हालत यह है कि हर किस्म के हिंसक जुर्म में अब नाबालिग भी शामिल मिल रहे हैं, इससे लगता है कि मुजरिम बनने की औसत उम्र अब घटती चली जा रही है, और लोग बालिग बाद में बनते हैं, संगीन जुर्म पहले करते हैं। महिलाओं, नाबालिग बच्चियों, और छोटे बच्चों के खिलाफ, बूढ़े मां-बाप के खिलाफ हिंसक और जानलेवा जुर्म अंधाधुंध हो रहे हैं। हर किस्म की निजी हिंसा पुलिस के रोकने लायक रहती है, लेकिन जिस तरह प्रदेश में सरकारी नशे के कारोबार के अलावा अवैध शराब, गैरकानूनी गांजा, और बहुत खतरनाक गैरकानूनी दूसरा सूखा नशा बढ़ते चल रहा है, उससे भी निजी हिंसा बढ़ती जा रही है।

कांग्रेस कमेटी ने कड़ी कार्यवाही की मांग की...

सुरजपुर जिला कांग्रेस कमेटी के प्रतिनिधिमंडल ने सुरजपुर पुलिस अधीक्षक से मुलाकात कर ज्ञापन सौपकर सूरजपुर पुलिसकर्मी के परिजनों की हत्या,पुलिसकर्मी पर गर्म तेल फेंकने की घटना तथा सम्पूर्ण जिले में बढ़ते अपराधिक मामलों पर कड़ी कार्यवाही किये जाने की मांग की है। कांग्रेस कमेटी के प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि सूरजपुर जिला मुख्यालय में पुलिसकर्मी के परिजनों की हत्या, पुलिसकर्मी पर गर्म तेल फेंकने की घटना,रामानुजनगर में बलात्कार की घटना सहित सम्पूर्ण जिले में बढ़ते अपराधिक मामलों पर कड़ी कार्यवाही करना अत्यंत आवश्यक है। बढ़ती घटनाओं से जहां आमजन मे असुरक्षा की भावना बढ़ रही हैं वही पुलिस प्रशासन के विरूद्य असंतोष भी पनप रहा है। अपराधिक घटनाओं पर कड़ी कार्यवाही करते हुये तत्काल रोक लगाया जाना तथा आमजन में पुलिस के प्रति घटते विश्वास को कायम रखने के लिये आवश्यक कदम उठाया जाना अत्यंत आवश्यक है। कांग्रेस पार्टी ऐसी घटनाओं की कठोर निंदा करती है तथा पुलिस प्रशासन पर विश्वास व्यक्त करते हुये यह आशा करती है कि आपके नेतृत्व में जिले में शांतिपूर्ण व्यवस्था कायम रहेगी तथा आमजन में पुलिस के प्रति विश्वास बना रहेगा। कांग्रेस पाटी सदैव प्रशासन के साथ सहयोग हेतु तत्पर है। कांग्रेस के प्रतिनिधिमंडल में मुख्य रूप से खेलसाय सिंह (पूर्व सांसद) पारस नाथ राजवाड़े (पूर्व विधायक भटगांव), नरेश राजवाडे (जिला पंचायत उपाध्यक्ष),भगवती राजवाड़े(अध्यक्ष जिला कांग्रेस सूरजपुर) राम चंद्र यादव, अश्विनी सिंह(ब्लॉक अध्यक्ष), अनुपम फिलिप,कुसुमलता राजवाड़े,संजय डोसी(शहर अध्यक्ष),अखिलेश सिंह जाकेश राजवाड़े,दीप्ती स्वांइ,राजीव कुमार सिंह,मनोज डालमिया,दीपक कर, विनय यादव,मुख्य रूप से उपस्थित थे। वैसे दोहरे हत्याकांड का आरोपी कांग्रेस नेताओं का करीबी था, एक कांग्रेस के ही आनुषंगिक छात्र संगठन का वह जिला पदाधिकारी था यह कांग्रेस नकार भी नहीं पा रही है साथ ही कांग्रेस की पिछली सरकार के कार्यकाल के दौरान आरोपी इतना मनोबल प्राप्त कर सका जो 2018 के पूर्व के डॉक्टर रमन सिंह कार्यकाल में अपराधी नहीं जुटा पाते थे वहीं वह विगत पांच वर्ष में जुटा ले गए जिसकी ही परिणीति है यह घटना। वैसे कांग्रेस इस मामले में आंदोलन में समाने आने की स्थिति में नहीं होगी क्योंकि यदि शहर के ही लोगों की माने तो एक तरफ कुलदीप साहू पुलिस का ही चहेता था पिछेल वर्षों तक साथ ही कांग्रेस के शहर जिला स्तर के नेताओं का उसे हर तरह का संरक्षण प्राप्त था।

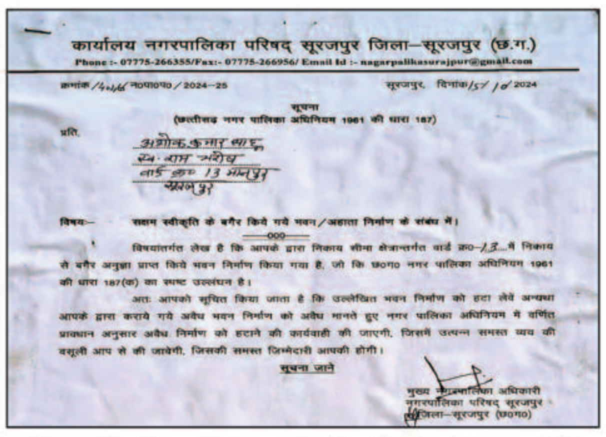

कार्यालय नगरपालिका परिषद् सूरजपुर जिला-सूरजपुर (छ.ग.)
Phone :- 07775-266355/Fax:- 07775-266956/ Email Id :- nagarpalikasurajpur@gmail.com

क्रमांक /..../ न0पा0प0 / 2024-25 सूरजपुर, दिनांक /..../ 2024

सूचना
(छत्तीसगढ़ नगर पालिका अधिनियम 1961 की धारा 187)

प्रति,

विषयः- सक्षम स्वीकृति के बगैर किये गये भवन/अहाता निर्माण के संबंध में।

विषयांतर्गत लेख है कि आपके द्वारा निकाय सीमा क्षेत्रान्तर्गत वार्ड क्र0-13 में निकाय से बगैर अनुज्ञा प्राप्त किये भवन निर्माण किया गया है, जो कि छ0ग0 नगर पालिका अधिनियम 1961 की धारा 187(क) का स्पष्ट उल्लंघन है।

अतः आपको सूचित किया जाता है कि उल्लेखित भवन निर्माण को हटा लेवें अन्यथा आपके द्वारा कराये गये अवैध भवन निर्माण को अवैध मानते हुए नगर पालिका अधिनियम में वर्णित प्रावधान अनुसार अवैध निर्माण को हटाने की कार्यवाही की जाएगी, जिसमें उत्पन्न समस्त व्यय की वसूली आप से की जावेगी, जिसकी समस्त जिम्मेदारी आपकी होगी।

सूचना जाने

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगरपालिका परिषद् सूरजपुर
जिला-सूरजपुर (छ0ग0)

बिना स्वीकृति भवन व अहाता निर्माण को लेकर आरोपी कुलदीप के पिता को नगर पालिका ने जारी की नोटिस-

अपराधी के पिता अशोक कुमार साहू भवन व अहाता निर्माण बिना स्वीकृति के किए जाने पर मुख्य नगर पालिका अधिकारी सूरजपूर नोटिस जारी करते हुए वार्ड क्रमांक 13 में निकाय से बगैर अनुज्ञा प्राप्त किए,भवन निर्माण किया गया जो छत्तीसगढ़ नगर पालिका अधिनियम 1961 की धारा 187 (क) स्पष्ट उल्लंघन है तत्काल भवन निर्माण को हटाने के लिए नगर पालिका ने कहा है नहीं हटने पर नगर पालिका खुद हटाएगी उसका समस्त व्यय आरोपी के पिता से लगी।

आदतन अपराधी कुलदीप ने शातिराना तरीके से कोतवाली में पदस्थ प्रधान आरक्षक की पत्नी व बेटी की नृशंस हत्या की,हत्या की वारदात को अंजाम दिया

आदतन अपराधी कुलदीप साहू ने बेहद शातिराना तरीके से कोतवाली में पदस्थ प्रधान आरक्षक तालिब शेख की पत्नी मेहू फैज व बेटी आलिया शेख की नृशंस हत्या की वारदात को अंजाम दिया था। दरअसल चौपाटी में प्रधान आरक्षक घनश्याम सोनवानी पर खौलता तेल उड़ेलने की वारदात के बाद पुलिस द्वारा धर-पकड़ की कोशिश के दौरान आरोपी ने कार बदल ली थी। सूत्रों कहना था की उसने अपनी गाड़ी में दूसरे को बैठाकर भेज दिया और अलग-अलग थानों-चौकी की पुलिस उसी का पीछा करते हुए करवां लटोरी तक पहुंची। इस दौरान टीम ने उसके कार पर कुछ राउंड फायर भी किया। जबकि आरोपी इसी वक्त दूसरे वाहन से हेड कांस्टेबल के घर पहुंचा और उसकी पत्नी-बेटी की हत्या करने के बाद शवों को ठिकाने लगाकर फरार हो गया था। इधर पुलिस सोचती रही कि जिस वाहन का वह पीछा कर रही है, उसी में आरोपी सवार है। इधर नगरवासियों ने पुलिस पर अपराधी को संरक्षण देने का आरोप लगाया है। इसी को लेकर वे और ज्यादा आक्रोशित थे। वैसे कुलदीप साहू ही दोहरे हत्याकांड का आरोपी है यह अब पुलिस के द्वारा कुलदीप से होने वाली पूछताछ से पता चल सकेगा।

झारखंड हो गया था फरार

प्रधान आरक्षक की पत्नी व बेटी की हत्या करने के बाद आरोपी पुलिस से बचते हुए झारखंड भाग गया था। इधर पुलिस की कई टीमें उसकी सरगर्मी से तलाश कर रही थीं। संयुक्त पुलिस परिवार ने उसे गिरफ्तार करने वाले को 50 हजार रुपए तथा एन्काउंटर करने वाले को 1 लाख रुपए इनाम देने की भी घोषणा कर दी थी। इधर सूरजपुर में भी घटना को लेकर उबाल था। इसी बीच बलरामपुर पुलिस ने उसे झारखंड के गोदरमाना से दबोच लिया। बलरामपुर एसपी द्वारा उसे पकड़े जाने का फोटो वायरल हो रहा है।

घटना के 48 घंटे के अंदर ही पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार

घटना या वारदात के 48 घंटे के भीतर ही प्रदेश की पुलिस ने आरोपी को झारखंड से गिरफ्तार कर लिया। गामजदा परिवार के लिए यह खबर राहत सहित शुकून की है क्योंकि सुपुर्दे खाक जब किए जा रहे थे मां बेटी हर उपस्थित यही दुआ कर रहा था कि आरोपी जल्द गिरफ्तार हो और वह दंडित किया जाए जल्द से जल्द।

जनता में आक्रोश आज भी है जारी

आरोपी केवल कुलदीप साहू है यह अपराध की प्रवृत्ति से लगता नहीं प्रथम दृष्ट्या,एक व्यक्ति अपराध को इस स्तर तक कारीत करने की कोशिश या प्रयास सार्थक कर सकेगा यह मानना अभी भी लोग नहीं चाहते। लोगों का मानना है कि इस अपराध में एक से अधिक लोग शामिल हैं। अब लोगों का आक्रोश समाप्त हो गया कुलदीप की गिरफ्तारी के बाद ऐसा कहना भी गलत होगा क्योंकि लोग अभी भी आक्रोश में हैं और लोग अब भी चाहते हैं कि कार्यवाही के दौरान विवेचना के दौरान अन्य संभावना पर अन्य शामिल सदस्यों की संभावना पर भी विचार करना होगा और सभी दंडित हों यह सभी की। मांग है।

कांग्रेसी ही आरोपी को गुंडागर्दी के लिए उत्साहित करते थेःसूत्र

बताया जा रहा है की कुलदीप साहू कांग्रेस नेताओं का चहेता था। वह कांग्रेस नेताओं के द्वारा ही अपराध के लिए पोषित भी था। अब शहर में ही यह भी जनचर्चा है कि जिसे कांग्रेस नेताओं का ही चहेता माना जा रहा था जो उनके द्वारा ही एक आनुषंगिक अपने छात्र संगठन के लिए जिला पदाधिकारी नियुक्त था उसके लिए कांग्रेस नेता ही अब यह बयान दे रहे हैं कि वह उनका प्राथमिक सदस्य भी नहीं। वैसे शहर में कांग्रेस नेताओं का कुलदीप से किया जा रहा किनारा लोग खारिज कर रहे हैं और लोगों का कहना है कि जिन्होंने पांच साल पोषण किया उसे अपराध के लिए उत्साहित किया अब वह उसे अपना नहीं मान रहे हैं और यह कहना गलत नहीं कि वह झूठ बोल रहे हैं।

आरोपी कांग्रेस नेताओं के साथ लगवाता था अपनी फोटो और गाड़ी में अपना पद नाम लगाकर घूमता था

आरोपी कुलदीप की गाड़ी मे कांग्रेस के आनुशागिक संघ छात्रसंघ का लिखा रहता था वह उसका जिला स्तर का पदाधिकारी था यह भी लोग मानते जानते हैं, अब कांग्रेस भले ही कुलदीप साहू से किनारे जाना चाहे,शहर जिले के लोग साफ बोल रहे हैं,पिछली कांग्रेस सरकार में कुलदीप का काफी मनोबल बढ़ा था जिसकी ही परिणीति है यह घटना और कांग्रेस इस मामले में अब ज्यादा राजनीतिक रोटी सेंकने लायक नहीं यह भी है लोगों का कहना।

कुलदीप साहू के सूरजपुर लाने से पहले नगर वासियों ने थाने के सामने लगाई भीड़

कुलदीप साहू की बलरामपुर से गिरफ्तारी उपरांत सुरजपुर लाए जाने की सूचना उपरांत सुरजपुर में कोतवाली के सामने भीड़ जुट गई है।लोग अब जघन्य अपराधी कुलदीप साहू को देखना चाह रहे हैं जबकि वह उनके ही बीच का कल तक था। पुलिस ने चाक चौबंद व्यवस्था कर रखी है भले ही फिर भी वह कुलदीप को लेकर लौटेगी सूरजपुर यह देखने वाली बात होगी,क्या कुछ नया होगा छत्तीसगढ़ में (वैसे नया कुछ होगा संभावना नहीं) या फिर कुलदीप को जिले की ही अन्य पुलिस थाने में रखा जाएगा यह भी देखने वाली बात होगी।

लाइ एंड ऑर्डर की स्थिति निर्मित ना हो जिसको लेकर आईजी और एसपी खुद सड़क पर उतरे हैं...

जिला मुख्यालय शांत बना रहे कानून व्यवस्था कायम रहे इसको लेकर आईजी और एसपी खुद सड़क पर निकल पड़े हैं,वैसे आज लोगों का कहना है कि यदि कानून व्यवस्था के मामले में वसूली का मामला बंद हो तभी अपराध रुकेगा,केवल भय से अब कानून व्यवस्था सही नहीं होगा,पुलिस को भी अब आचरण पर विचारण करना होगा

सूरजपुर की घटना एक बहुत बड़े माफिया अंदाज का उदाहरण है...

इन तमाम बातों के बीच भी सूरजपुर की घटना एक बहुत बड़े माफिया अंदाज उदाहरणहै जो कि पुलिस की पूरी ताकत को एक चुनौती देता है और पुलिस के बेकसूर परिवार के साथ सबसे भयानक दर्जे की हिंसा है। पहले दुसरे देशो में माफिया की जो खबरें बाहर आती थीं, उनमें ऐसा होता था कि अदालत में मुजरिम को सजा दिलाने की कोशिश कर रहे सरकारी वकील, या जांच कर रहे पुलिस अफसर, या गवाह के परिवार को ऐसे मौत के घाट उतरा जाए । लेकिन भरता में ऐसी दूसरी घटना याद नहीं पडती कि एक पुलिस कर्मचारी के ड्यूटी करने से खफा होकर एक संगठित अपराधी उसके परिवार को हिंसक तरीके से मार डाले।

उज्जवल दीवान ने की इनाम की घोषणा

राज्य सरकार को,और खासकर पुलिस महकमे को यह देखना चाहिए कि किस तरह प्रदेश के पुलिस परिवारों के एक संगठन के संयोजक उज्जवल दीवान ने एक वीडियो बनाकर यह घोषणा की है पुलिस-परिवार का कत्ल करने वाले को पकडने वाले को 50 हजार रूपए नगद, और अगर उसे मुठभेड़ में मारा जाता है तो उस पर एक लाख रूपए नगद ईनाम संगठन देगा। यह राज्य सरकार के लिए आत्ममंथन का एक बड़ा मौका है कि कार्यकाल का एक साल पूरा होने के पहले ही पूरे प्रदेश में कानून-व्यवस्था जिस तरह खत्म हो जाने का अहसास प्रदेश के लोगों को हो रहा है, उसमें सरकार की कैसे सुधार की जिम्मेदारी बनती है।

विपक्ष मामले पर दे रहा प्रतिक्रिया वहीं सत्ताधारी खामोश ?

वैसे मामला कहीं से आरोपी को अभयदान मिले इस श्रेणी का नहीं है,आरोपी को अक्षम्य अपराध का आरोपी मानकर सजा तय की जाए त्वरित सजा हो यह घटती घटना भी मांग करती है लेकिन पूरे मामले में सत्ताधारी दल की संवेदना शून्य थी, विपक्ष मामले में बयान जारी कर तो रहा है लेकिन कुलदीप साहू सहित उसे जानने वाले साथ ही उसके संपर्क को जानने वाले यह भी कहते सुने जा रहे हैं की कांग्रेस नेता इस मामले में बयान देने की स्थिति में नहीं हैं क्योंकि वह खुद जिसे संरक्षण देते चले आए उसे वह कैसे अपना नहीं है कहकर किनारे करेंगे। वैसे कुलदीप साहू कांग्रेस नेताओं की सह पर ही इतना बड़ा अपराधी बना यह जिले में आम चर्चा है और कांग्रेस के विरोध और कानून व्यवस्था की स्थिति को लेकर किए जा रहे प्रश्न को लोग केवल नौटंकी बता रहे हैं।

पूरे प्रदेश के लोग कर रहे थे प्रार्थना,तत्काल पकड़ा जाए आरोपी

कुलदीप साहू के दोहरे हत्याकांड में शामिल होने के मामले में पूरे प्रदेश के लोग यह प्रार्थना कर रहे थे कि उसकी जल्द गिरफ्तारी हो। एक महिला और उसकी एक नाबालिक पुत्री की जघन्य हत्या इस कारण उसने की जो तथ्य सामने आ रहा है कि वह वसूली से भी परेशान था साथ ही वह अपने साथ ही परिवार पर पुलिसिया कार्यवाही से भी व्यथित था। कुल मिलाकर अर्थ दंड सहित मानसिक ,शारीरिक दंड सभी दंड से दंडित हो रहा था भ्रष्ट व्यवस्था में वह पिस रहा था इसलिए वह इस बड़ी वारदात के लिए मजबूर हुआ।

भारत-न्यूजीलैंड का मुकाबला आज बैंगलुरू में

» पहले टेस्ट में ऐसी हो सकती है प्लेइंग इलेवन...

बैंगलुरू, 15 अक्टूबर 2024। भारत और न्यूजीलैंड के बीच तीन टेस्ट मैचों की सीरीज का आगाज होने वाला है। सीरीज विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के तहत खेली जाएगी, इसलिए ये और भी ज्यादा अहम होने वाली है। हालांकि अच्छी बात ये है कि टीम इंडिया इस वक्त डब्ल्यूटीसी अंक तालिका यानी प्वाइंट्स टेबल में पहले नंबर पर है। त्रभारत बनाम बांग्लादेश सीरीज से लेकर इस सीरीज तक टीम यानी पूरे स्क्वाड में कोई भी बदलाव नहीं किया गया है। लेकिन सवाल ये है कि टीम इंडिया की प्लेइंग इलेवन में क्या कुछ बदलाव होगा या फिर पिछली सीरीज वाली टीम ही खेलती हुई दिखाई देगी।

रोहित शर्मा और यशस्वी जायसवाल करेंगे पारी का आगाज

न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाले पहले टेस्ट के लिए भारत की सलामी जोड़ी तो करीब करीब तय है। कप्तान रोहित शर्मा के साथ यशस्वी जायसवाल ही ओपनिंग के लिए आएंगे। इसके बाद तीसरे नंबर पर शुभमन गिल का आना पक्का है। नंबर चार पर पूर्व कप्तान विराट कोहली नजर आएंगे। यानी पहले टॉप 4 में कोई भी बदलाव होने की संभावना फिलहाल तो नजर नहीं आ रही है।

केएल राहुल खेले तो सरफराज खान को करना पड़ेगा इंतजार

इसके बाद नंबर पांच पर केएल राहुल हैं। वैसे तो राहुल का बैट उस तरह से नहीं चल रहा है, जैसी कि उनसे उम्मीद की जा रही है, लेकिन कप्तान रोहित शर्मा का उन पर कुछ ज्यादा ही भरोसा है। राहुल ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट में शतक जड़ा था, इसके बाद से लेकर अब तक वे कोई भी बड़ी पारी नहीं खेल पाए हैं, लेकिन यही वो पारी है, जिससे वे अभी तक अपनी जगह टीम में बनाए हुए हैं। अगर इस बार भी रोहित का भरोसा कायम रहा तो सरफराज खान को फिर से बाहर ही बैठना पड़ सकता है।

सरफराज को नहीं मिल पा रहा है टीम इंडिया के लिए खेलने का मौका

सरफराज खान का प्रदर्शन डोमेस्टिक क्रिकेट में शानदार रहा है। वे लगातार रन बनाते रहे हैं। यही कारण रहा कि उनका सेलेक्शन टीम इंडिया में हुआ है। इसके बाद जब वे भारतीय टीम के लिए खेले तो वहां भी सफलता हासिल की। वे यहां बड़ी पारी तो नहीं खेल पाए, लेकिन छोटी छोटी पारियों से उन्होंने प्रभावित किया। लेकिन इसके बाद भी उनकी जगह टीम इंडिया की प्लेइंग इलेवन में पक्की नहीं बन पा रही है। लेकिन देखना ये होगा कि राहुल पर टीम का भरोसा आखिर कब तक कायम रहता है। साथ ही राहुल की भी जिम्मेदारी होगी कि जो विश्वास उन पर दिखाया जा रहा है, उस पर वे खरे उतरें।

ऐसी हो सकती है भारत की बॉलिंग लाइनअप

इस बीच अगर इसके बाद की बात करें तो विकेट कीपर बल्लेबाज के तौर पर ऋषभ पंत का खेलना भी तय है। यानी ध्रुव जुरेल टीम में हैं जरूर, लेकिन वे बाहर ही बैठे रह सकते हैं। स्पिन गेंदबाज के तौर पर कप्तान रोहित शर्मा रविचंद्रन अश्विन और रवींद्र जडेजा के साथ जा सकते हैं। ये दोनों ही शानदार बल्लेबाजी के साथ ही बेहतरीन बल्लेबाजी करने में भी माहिर हैं। अक्षर पटेल को हो सकता है कि कुछ दिन का इंतजार करना पड़े। वहीं तेज गेंदबाज के रूप में मोहम्मद सिराज, जसप्रीत बुमराह और आकाश दीप नजर आ सकते हैं। हालांकि तीन गेंदबाज खेलेंगे या फिर तीन स्पिनर टीम में आएंगे, इसका फैसला पिच को देखकर किया जाएगा। जो टॉस के वक्त ही पता चलेगा। इसके अलावा टीम में बहुत ज्यादा बदलाव नजर नहीं आएंगे।

भारत बनाम न्यूज़ीलैंड पहले टेस्ट के लिए भारत की संभावित प्लेइंग इलेवनः

रोहित शर्मा (कप्तान), जसप्रीत बुमराह (उपकप्तान), यशस्वी जयसवाल, शुभमन गिल, विराट कोहली, केएल राहुल, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), रविचंद्रन अश्विन, रवींद्र जडेजा, मो. सिराज, आकाश दीप।

संक्षिप्त खेल की खबरें

भारत के खिलाफ सीरीज से पहले न्यूज़ीलैंड को झटका

बेहतरीन गेंदबाज बेन सियर्स हुआ बाहर

न्यूजीलैंड, 15 अक्टूबर 2024। भारत-न्यूजीलैंड के बीच 3 मैचों की टेस्ट सीरीज 16 अक्टूबर से खेली जाएगी। पहला टेस्ट बेंगलुरु में खेला जाएगा। इससे पहले न्यूजीलैंड को बड़ा झटका लगा है। तेज गेंदबाज बेन सियर्स घुटने की चोट के कारण भारत के खिलाफ आगामी टेस्ट सीरीज से बाहर हो गए हैं। न्यूजीलैंड क्रिकेट की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि स्कैन में सियर्स के मेनिस्कस में चोट का पता चलने के बाद भारत जाने में देरी हुई। मेडिकल एडवाइस के बाद वह सीरीज से बाहर हो गए। ओटागो वोल्ट्स के अनकैप्ड गेंदबाज जैकब डफी को सीयर्स की जगह टीम में शामिल किया गया है।

बोका जूनियर्स ने मैनेजर के तौर पर फर्नांडो गागो की घोषणा की

ब्यूनसआयर्स, 15 अक्टूबर 2024। अर्जेंटीना के क्लब ने कहा कि बोका जूनियर्स ने पूर्व मिडफील्डर फर्नांडो गागो को दिसंबर 2026 तक के अनुबंध पर मैनेजर नियुक्त किया है। एल्डोसिवी, रेसिंग और चिवास में खेलने के बाद, रियल मैड्रिड के पूर्व मिडफील्डर लॉस जेनीज़ेस की बागडोर संभालेंगे। 38 वर्षीय खिलाड़ी डिएगो मार्टिनेज की जगह लेंगे, जिन्होंने खराब नतीजों के चलते 29 सितंबर को ब्यूनस आयर्स के क्लब से नाता तोड़ लिया था। गागो फीफा क्लब विश्व कप 2025 में दक्षिण अमेरिकी दिग्गजों का नेतृत्व करने के लिए तैयार हैं।

न्यूज़ीलैंड के खिलाफ विराट कोहली पूरा करेंगे 9000 रन

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर 2024। भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली का बल्ला पिछले कुछ मैचों से शांत रहा है। न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में फैंस को कोहली से कई उम्मीदें हैं। विराट द्वारा खेली गई पिछली आठ पारियों में महज एक अर्धशतक निकला है। वो भी उन्होंने 2023 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ लगाया था। 16 अक्टूबर से भारत और न्यूजीलैंड के बीच पहला टेस्ट मैच खेला जाएगा। विराट कोहली टेस्ट क्रिकेट में 9000 रन बनाने वाले बल्लेबाज बनने के काफी करीब है। 16 अक्टूबर से चिन्नास्वामी स्टेडियम में न्यूजीलैंड के खिलाफ शुरू होने वाले पहले टेस्ट में विराट कोहली को 9 हजार रन पूरे करने के लिए 53 रनों की जरूरत है। अगर वह ऐसा करने में कामयाब होते हैं तो वह टेस्ट में 9000 रन से ज्यादा बनाने वाले चौथे भारतीय बल्लेबाज बन जाएंगे।

विराट से पहले ये कारनामा सचिन तेंदुलकर, राहुल द्रविड़ और सुनील गावस्कर कर चुके हैं। वह टेस्ट में नौ हजार रन या उससे ज्यादा रन बनाने वाले 18वें बल्लेबाज भी बन जाएंगे।

भारत के पूर्व कप्तान विराट कोहली ने अब तक अपने टेस्ट करियर में 115 मैच खेलते हुए 8947 रन बनाए हैं। इसमें 29 शतक और सात दोहरा शतक शामिल है। उन्हें नौ हजार रन का बैरियर पार करने के लिए महज 53 रन की जरूरत है। कोहली ने 30 अर्धशतक भी लगाए हैं, उनका बेस्ट स्कोर 254 है। भारत तीन मैचों की घरेलू टेस्ट सीरीज के लिए तैयार है उसके बाद ऑस्ट्रेलिया का चुनौतीपूर्ण दौरा होगा। ऐसे में विराट का अनुभव और टीम के लिए उनका समर्पण अहम साबित होगा।

न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज शुरू होने से पहले भारतीय क्रिकेट टीम के कोच गौतम गंभीर ने विराट कोहली की तारीफ करते हुए कहा कि उनमें रनों की भूख पहले की तरह ही बरकरार है।

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में मोहम्मद शमी को नहीं मिलेगा मौका

कप्तान रोहित शर्मा ने दिया चिंतित करने वाला अपडेट

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर 2024। अगले महीने नवंबर के आखिर में भारतीय टीम बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के लिए ऑस्ट्रेलिया के दौरे पर जाएगी। जहां दोनों टीमों के बीच 5 मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जाएगी। लेकिन इससे पहले एक बुरी खबर सामने आ रही है। दरअसल, भारतीय टीम के अनुभवी गेंदबाज मोहम्मद शमी का इस सीरीज में खेलना संदिग्ध है। वहीं भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने 16 अक्टूबर से न्यूजीलैंड के खिलाफ खेलने जाने वाली टेस्ट सीरीज से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस की जिसमें उन्होंने शमी को लेकर बयान भी दिया है।

इक्वाडोर उरुग्वे के खिलाफ इतिहास रचने के लिए तैयारःसेबेस्टियन बेकासे

क्विटो, 15 अक्टूबर 2024। इक्वाडोर के मैनेजर सेबेस्टियन बेकासे ने अपने खिलाड़ियों को विश्व कप क्वालीफायर में उरुग्वे पर पहली बार जीत दर्ज करने के लिए इतिहास रचने का समर्थन किया है। इक्वाडोर वर्तमान में 10 टीमों के दक्षिण अमेरिकी क्षेत्र की स्टैंडिंग में नौ मैचों में 12 अंकों के साथ पांचवें स्थान पर है, जो तीसरे स्थान पर मौजूद उरुग्वे से तीन अंक पीछे है।

मोंटेवीडियो में होने वाले मुकाबले की पूर्व संध्या पर बेकासे ने कहा, ÷इक्वाडोर को (उरुग्वे में) जीतना मुश्किल रहा है और हम पहली बार ऐसा करने की उम्मीद और अपेक्षा के साथ वहां जा रहे हैं। यह एक अच्छी चुनौती है और इतिहास रचने का मौका है। हम जानते हैं कि यह मुश्किल होने वाला है और हमें विनम्र होने की जरूरत है। लेकिन हम बहुत आगे बढ़ चुके हैं। हमारे पास किसी भी टीम को हराने के लिए व्यक्तिगत प्रतिभा और सामूहिक ऊर्जा है। उरुग्वे पिछले शुक्रवार को लीमा में पेरू से 1-0 की हार से उबरने की कोशिश कर रहा है, जबकि इक्वाडोर गुरुवार को पैराग्वे के साथ गोल रहित घरेलू ड्रॉ से उबर रहा है

उदिता को एचआईएल महिला नीलामी के पहले चरण में सबसे अधिक बोली मिली

मुंबई, 15 अक्टूबर 2024। भारतीय डिफेंडर उदिता दुहान हॉकी इंडिया लीग की महिला नीलामी के पहले चरण में सबसे महंगी खिलाड़ी बनकर उभरीं, जब उन्हें मंगलवार को श्राची राढ़ बंगाल टाइगर्स ने 32 लाख रुपये में खरीदा। डच स्टार ड्रैग-फ्लिकर यिब्बी जैनसेन दूसरे सबसे महंगे खिलाड़ी रहे और उन्हें ओडिशा वॉरियर्स ने 29 लाख रुपये में खरीदा। भारतीय खिलाड़ी लालरेमसियामी (श्राची राढ़ बंगाल टाइगर्स को 25 लाख रुपये में), सुनीता टोप्पो (दिल्ली एसजी पाइपर्स को 24 लाख रुपये में) और संगीता कुमारी (दिल्ली एसजी पाइपर्स को 22 लाख रुपये में) ने नीलामी के पहले चरण में काफी ध्यान आकर्षित किया। बेल्जियम की चार्लोट एंगलबर्ट (सोरमा हॉकी क्लब को 16 लाख रुपये में), जर्मनी की चार्लोट स्टेपेनहोर्स्ट (सोरमा हॉकी क्लब को 16 लाख रुपये में) और ऑस्ट्रेलिया की जोसलीन बार्ट्राम (ओडिशा वॉरियर्स को 15 लाख रुपये में) सहित कई विदेशी खिलाड़ी उल्लेखनीय रूप से खरीदे गए। अनुभवी भारतीय स्ट्राइकर वंदना कटारिया को श्राची राढ़ बंगाल टाइगर्स ने 10.5 लाख रुपए में खरीदा।

भारतीय कप्तान सलीमा टेटे (20 लाख रुपए), इशिका चौधरी (16 लाख रुपए) और नेहा गोयल (10 लाख रुपए) को ओडिशा वॉरियर्स ने खरीदा।पूर्व भारतीय कप्तान सविता (20 लाख रुपए), शर्मिला देवी (10 लाख रुपए) और निक्की प्रधान (12 लाख रुपए) कुछ बड़े भारतीय नाम हैं जिन्हें सूरमा हॉकी क्लब ने खरीदा।दिल्ली एसजी पाइपर्स ने भारतीय अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी नवनीत कौर (19 लाख रुपए), युवा गोलकीपर बिचू देवी खारीबाम (16 लाख रुपए) और दीपिका (20 लाख रुपए) को भी खरीदा। नीलामी के पहले हाफ में चारों फ्रेंचाइजी ने अपनी कोर टीम बनाने के लिए रणनीतिक बोलियां लगाईं।

सोनम उत्तम मस्कर ने रजत पदक जीता

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर 2024। भारतीय निशानेबाज सोनम उत्तम मस्कर ने मंगलवार को दिल्ली में आईएसएसएफ विश्व कप फाइनल 2024 में महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में रजत पदक जीता। 22 वर्षीय मस्कर ने 252.9 के स्कोर के साथ पोडियम फिनिश हासिल करने के लिए प्रभावित किया। चीन की युटिंग हुआंग ने स्वर्ण पदक जीता, जबकि फ्रांसीसी निशानेबाज ओसेन मुलर ने कांस्य पदक जीता। अन्य भारतीय फाइनलिस्ट तिलोत्तमा सेन 167.7 के स्कोर के साथ छठे स्थान पर रहीं।

जब वी मेट के लिए करीना नहीं ये एक्ट्रेस थी पहली पसंद

बैक-टू-बैक दो फिल्मों से धोना पड़ा हाथ

इम्तियाज अली की जब वी मेट का क्रेज आज भी कम नहीं हुआ है। ये उन गिनी-चुनी फिल्मों में से एक है, जो आज भी कभी टीवी पर आ जाए तो दर्शक टीवी के सामने से हटते नहीं हैं। इस फिल्म में करीना कपूर ने गीत का किरदार निभाया था। दर्शकों को करीना इस फिल्म में खूब पसंद आई और इसी के साथ करीना ने दर्शकों के बीच अपनी पकड़ भी मजबूत की। लेकिन, हाल ही में एक अभिनेत्री ने खुलासा किया कि करीना से पहले उन्हें ये फिल्म ऑफर हुई थी। उन्होंने फिल्म साइन भी कर ली थी, लेकिन आखिरी वक्त पर उन्हें फिल्म से हाथ धोना पड़ा। ये अभिनेत्री कोई और नहीं बल्कि भूमिका चावला हैं।

जब वी मेट में हुईं रिप्लेस

तेरे नाम में निर्जरा का किरदार निभाने वाली भूमिका चावला ने खुलासा किया कि उन्हें जब वी मेट और मुन्ना भाई एमबीबीएस जैसी फिल्मों में रिप्लेस कर दिया गया था। आरजे सिद्धार्थ कन्नन के साथ बातचीत के दौरान भूमिका चावला ने ये खुलासा किया। अभिनेत्री ने बताया कि उन्हें सिर्फ एक बार ही निराशा महसूस हुई और वो तब जब करीना कपूर ने इम्तियाज अली की जब वी मेट में उनकी जगह ले ली। भूमिका ने इस दौरान ये खुलासा भी किया कि संजय दत्त स्टारर मुन्ना भाई एमबीबीएस के लिए भी पहले उन्हें ही फाइनल किया गया था, लेकिन ग्रेसी सिंह ने उनकी जगह ले ली।

मुझे सिर्फ एक बार बुरा लगा था- भूमिका

भूमिका ने जब वी मेट में रिप्लेस किए जाने के बारे में बात करते हुए कहा- मुझे सिर्फ एक बार बुरा लगा था और वो तब जब मैंने जब वी मेट साइन की, लेकिन फिर फिल्म में काम नहीं कर पाई। तब फिल्म में मेरे साथ बॉबी देओल को पेयर किया गया था। फिल्म को नाम दिया गया था ट्रेन। फिर बॉबी की जगह शाहिद कपूर ने ले ली और उनके साथ मैं थी। फिर शाहिद और आयशा और इसके बाद शाहिद और करीना कपूर को कास्ट किया गया। इस तरह चीजें बदलती गईं, लेकिन कोई बात नहीं। मुझे सिर्फ एक बार बुरा लगा और इसके बाद कभी नहीं, क्योंकि मैं आगे बढ़ गई थी। मैं इसके बारे में ज्यादा नहीं सोचती।

मुन्नाभाई में भी नहीं कर पाईं काम

भूमिका ने आगे कहा- मैंने मुन्ना भाई एमबीबीएस के लिए साइन की थी। लेकिन, ये नहीं हो पाया और फिर मैं मणिरत्नम सर के साथ कन्नथिल मुथमित्तल में भी काम नहीं कर पाई। उन्होंने राजकुमार हिरानी के साथ हुई बातचीत का ब्योरा भी साझा किया था, जिसमें हिरानी ने उन्हें आश्वस्त किया था कि उनका रिप्लेसमेंट उनकी किसी गलती के कारण नहीं हुआ है। उन्होंने बताया कि एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में इस तरह के फैसले आम बात हैं और अक्सर ये फैसले अलग-अलग कारणों से लिए जाते हैं, जो अभिनेता के नियंत्रण से बाहर होते हैं।

पंजाबी फिल्म में भी किया काम

भूमिका को हिंदी के अलावा तेलुगु, तमिल और मलयालम सिनेमा सहित कई फिल्म उद्योगों में उनके काम के लिए जाना जाता है। तेरे नाम में अपनी अदाकारी के साथ भूमिका रातों-रात स्टार बन गई थीं। साल 2008 में उन्होंने पंजाबी फिल्म यारियां में काम किया, जिसमें उन्होंने गुरदास मान के साथ अभिनय किया। इसके बाद वो मलयालम सिनेमा में दिखीं। सुपरस्टार मोहनलाल के साथ फिल्म भ्रमरम में काम किया। साल 2023 की फिल्म किसी का भाई किसी की जान के साथ उन्होंने बॉलीवुड में कमबैक किया।

ममता कुलकर्णी हुईं पर्दे से ओझल

लेकिन बैकग्राउंड डांसर बन गई बड़ी स्टार... छोटे बालों वाली लड़की को पहचाना क्या...

ममता कुलकर्णी 90 के दशक की टॉप हीरोइनों में से एक थीं। उन्होंने अपने दौर के कई बड़े स्टार्स के साथ काम किया, जिनमें अक्षय कुमार से लेकर सैफ अली खान जैसे स्टार्स के नाम शुमार हैं। लेकिन, धीरे-धीरे ममता कुलकर्णी बड़े पर्दे से गायब होती गईं और अब सालों से वह किसी फिल्म में नजर नहीं आई हैं। सालों पहले ममता कुलकर्णी एक कॉन्ट्रोवर्सी में फंस गईं, जिसके बाद उनके करियर पर ग्रहण लग गया और वह बड़े पर्दे से पूरी तरह गायब हो गईं। हालांकि, अभिनेत्री अब सोशल मीडिया पर एक्टिव रहती हैं। ममता कुलकर्णी की कुछ चर्चित फिल्मों में से एक बेकाबू भी है। 1996 में रिलीज हुई इस फिल्म में ममता संजय कपूर के साथ नजर आई थीं। इसी फिल्म के एक गाने तू वो तू है से स्टिल चर्चा में है, जिसमें ममता कुलकर्णी के पीछे एक लड़की नजर आ रही है। क्या आप बता सकते हैं फोटो में नजर आ रही ये लड़की कौन है?

फोटो में नजर तो ममता कुलकर्णी और संजय कपूर पर टिकती हैं, लेकिन अभिनेत्री के पीछे एक छोटे बालों में लड़की नजर आ रही है, जो आज एक जाना-माना नाम है। गुजरते वक्त के साथ ममता कुलकर्णी तो फिल्मी दुनिया से पूरी तरह ओझल हो गईं, लेकिन उनके पीछे दिख रही ये लड़की जरूर स्टार बन गई। ममता और संजय के पीछे डांस कर रही है ये लड़की अब फिल्मी दुनिया का बड़ा नाम बन चुकी है।

कौन है ये बच्ची?

अगर आप फोटो में नजर आ रही इस बच्ची को अभी भी नहीं पहचान पाए हैं तो हम आपको बता दें कि ये कोई और नहीं बल्कि नीरू बाजवा हैं। नीरू बाजवा आज पंजाबी सिनेमा का जाना-माना नाम हैं। वह पंजाबी सिनेमा की सबसे बोल्ड और सिजलिंग एक्ट्रेस में गिनी जाती हैं। नीरू बाजवा ने सिर्फ पंजाबी ही नहीं कुछ हिंदी फिल्मों में भी काम किया है। लेकिन, पंजाबी इंडस्ट्री में उनका रुतबा ही कुछ और है। नीरू बाजवा पंजाबी सिनेमा की सबसे महंगी एक्ट्रेस में से हैं।

नीरू बाजवा की तीन बेटियां हैं

पर्सनल लाइफ की बात करें तो नीरू बाजवा कनाडा की रहने वाली हैं और उन्होंने अपनी पूरी पढ़ाई भी विदेश से ही की है। लेकिन, शुरू से ही नीरू एक्टिंग में अपना करियर बनाना चाहती थीं। एक्टर बनने का सपना लिए नीरू बाजवा कनाडा से इंडिया आ गईं और 1998 में पहली बार किसी फिल्म में काम करने का मौका मिला। इसके बाद वह कुछ टीवी शोज और म्यूजिक एल्बम्स में भी नजर आईं। 2015 में नीरू ने हैरी जंवधा से शादी कर ली और कपल की तीन बेटियां हैं।

प्रदेश की संक्षिप्त खबरें

साल 2025 में 16 दिन सार्वजनिक अवकाश

रायपुर, 15 अक्टूबर 2024(ए)। सामान्य प्रशासन विभाग ने वर्ष 2025 को लिए शासकीय अवकाशों की घोषणा कर दी है। इस दौरान 16 सार्वजनिक अवकाश,और 55 सामान्य ऐच्छिक अवकाश रहेंगे । गणतंत्र दिवस और मोहर्रम रविवार पड़ने के कारण पृथक से अवकाश घोषित नहीं किया गया है।

प्रदेश सरकार ने जल संसाधन विभाग में किया बड़ा फेरबदल

» 30 अभियंताओं का ट्रांसफर

रायपुर, 15 अक्टूबर 2024(ए)। प्रदेश सरकार ने जल संसाधन विभाग में दो अलग-अलग आदेश जारी करके 1 एसई, 11ईई और 19 एई के तबादले किए है। इसमें से 4 को मुख्य अधीक्षण और कार्यपालन अभियंता का प्रभार दिया गया है। वहीं आदेश के मुताबिक वीरेन्द्र कंवर को कार्यपालन अभियंता जल संसाधन बैराज निर्माण संभाग क्रमांक-1 खरसिया की जिम्मेदारी मिली है। जबकि योगेन्द्र कुमार मंडावी सहायक अभियंताा को जल संसाधन उपसंभाग सुकमा भेजा गया है। इसी तरह से सहायक अभियंता शांतनु विश्वास को प्रभारी कार्यपालन अभियंताा जलस संसाधन संभाग सुकमा की जिम्मेदारी मिली है। एमके चंद्रा को बिलासपुर संभाग का कार्यपालन यंत्री बनाया गया है। प्रदेश सरकार ने जल संसाधन विभाग में बड़ा फेरबदल किया है। इसमें 30 अभियंताओं का ट्रांसफर किया गया है। वहीं सभी के प्रभार व जिम्मेदारी भी बदली गई है। ताकि कार्य को सुचारू रूप से किया जा सके।

वन विभाग में हुई पदोन्नति

43 रेंजर और 16 एसडीओ बने

रायपुर, 15 अक्टूबर 2024(ए)। राष्ट्रीय वन खेल से पहले पीसीसीएफ ने विभाग के 61 वन कर्मियों के डिप्टी से रेंजर और रेंजर से एसडीओ पदोन्नत कर दिया है । यह पदोन्नति कई महीनों से लंबित थी। इनमें 43 रेंजर,16 एसडीओ शामिल हैं। इससे पहले विभाग ने दैवेभो कर्मियों को 12 करोड़ से अधिक का श्रम सम्मान राशि मंजूर किया था।

वित्त विभाग में बड़े स्तर पर हुए तबादले

रायपुर, 15 अक्टूबर 2024(ए)। छत्तीसगढ़ सरकार ने वित्त विभाग में बड़े पैमाने पर अधिकारियों और कर्मचारियों को इधर से उधर किया है।जारी ट्रांसफर लिस्ट में अपर संचालक, संयुक्त सचिव, संयुक्त संचालक, सहायक संचालक, लेखाधिकारी, वित्त अधिकारी, मुख्य वित्त अधिकारी, सहायक कोषालय अधिकारी, सहायक ग्रेड 1, सहायक ग्रेड 2 में पदस्थ कर्मचारी का नाम शामिल है।

आगजनी की घटना ट्रेलर वाहनों में

रायगढ़, 15 अक्टूबर 2024(ए)। रायगढ़ शहर के जूटमिल थाना क्षेत्र के गढ़उमरिया के पास आज सुबह दो ट्रेलर वाहनों में आग लग गई। सड़क किनारे खड़े दोनों गाड़ियों में अचानक आग लगने से इलाके में अफरा तफरी मच गई वहा मौजूद लोगो ने तत्कार इसकी सुचना पुलिस और फायर ब्रिगेड टीम को दी। सूचना मिलते ही जूटमिल पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंच गई। फायर फाइटर्स ने आग बुझाने के लिए कई फायरटेंडर का सहारा लिया और घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाने में सफल रहे। हालांकि, आग लगने के कारणों की जानकारी अभी तक सामने नहीं आ सकी है।

रायपुर दक्षिण विधानसभा सीट पर उपचुनाव की घोषणा

» 13 नवंबर को रायपुर दक्षिण विधानसभा पर होंगे उपचुनाव

» रायपुर दक्षिण उपचुनाव के नतीजे 23 नवंबर को घोषित होंगे

» बृजमोहन अग्रवाल के सांसद बनने के बाद खाली हुई थी यह सीट

रायपुर, 15 अक्टूबर 2024 (ए)। रायपुर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव की तारीखों की घोषणा कर दी गई है। यह उपचुनाव 13 नवंबर 2024 को होगा, और इसके परिणाम 23 नवंबर 2024 को घोषित किए जाएंगे। चुनावी प्रक्रिया को लेकर स्थानीय प्रशासन ने सभी तैयारियों को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है। निर्वाचन आयोग द्वारा समय पर चुनाव कराने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी जारी किए जाएंगे। इस उपचुनाव में भाजपा-कांग्रेस सहित अन्य राजनीतिक पार्टियों की ओर से उम्मीदवारों की घोषणा जल्द ही की जाएगी।

बृजमोहन अग्रवाल के इस्तीफे के बाद खाली हुई सीट

भाजपा के वरिष्ठ नेता बृजमोहन अग्रवाल के सांसद चुनाव जीतने के बाद रायपुर दक्षिण विधानसभा सीट खाली हो गई है। बृजमोहन ने इस सीट से लगातार जीत दर्ज की है और वे पूर्व में छत्तीसगढ़ की साय सरकार में स्कूल शिक्षा मंत्री के पद पर भी कार्यरत रह चुके हैं। रायपुर दक्षिण विधानसभा चुनाव की तैयारियां अब तेज हो गई हैं। 2008 में अस्तित्व में आने के बाद से ही बृजमोहन अग्रवाल को इस सीट से टिकट दिया जाता रहा, और उन्होंने लगातार चुनाव में सफलता हासिल की।सांसद बनने के बाद, बृजमोहन अग्रवाल ने अपने विधायक पद से इस्तीफा दे दिया, जिससे यह सीट रिक्त हो गई।

रायपुर दक्षिण विधानसभा सीट पर कांग्रेस भी हुई सक्रिय

कांग्रेस पार्टी भी रायपुर दक्षिण विधानसभा सीट पर अपनी दावेदारी को लेकर सक्रिय होती दिखाई दे रही है। बृजमोहन अग्रवाल के सांसद बनने के बाद, कांग्रेस इस सीट को जीतने का सपना संजोए हुए है। बृजमोहन के खिलाफ चुनावी मैदान में उतरने वाले प्रत्याशियों के अलावा,नए चेहरों ने भी अपनी दावेदारी पेश करने का कोई मौका नहीं छोड़ा है।

भाजपा के लिए इस सीट को सुरक्षित मानते हुए, पार्टी अब ऐसे प्रत्याशी की तलाश में जुटी है जो बृजमोहन की तरह अगले 20 से 25 वर्षों तक दक्षिण क्षेत्र की कमान संभाल सके। पार्टी इस बार किसी युवा चेहरे पर दांव लगाने की संभावना भी व्यक्त कर रही है, ताकि भाजपा का प्रभाव इस सीट पर बरकरार रखा जा सके।

इस सीट पर भाजपा के दावेदारों की होड़

अब भाजपा में इस सीट को लेकर दावेदारों की होड़ मच गई है। लगभग दर्जन भर वरिष्ठ भाजपा नेता अपनी-अपनी दावेदारी पेश कर रहे हैं, जिससे चुनावी माहौल और भी रोचक हो गया है। पार्टी के भीतर अब उम्मीदवारों के चयन की प्रक्रिया शुरू होने की उम्मीद है, जो आगामी उपचुनाव के लिए महत्वपूर्ण होगी।

न्यायाधीश संरक्षण अधिनियम हुआ लागू

» तहसीलदारों और नायब तहसीलदारों पर एफआईआर नहीं होगी

रायपुर, 15 अक्टूबर 2024(ए)। छत्तीसगढ़ कनिष्ठ प्रशासनिक सेवा संघ की एक महत्वपूर्ण मांग को पूरा करते हुए, राज्य सरकार ने अब राजस्व अधिकारियों के लिए न्यायाधीश संरक्षण अधिनियम को लागू कर दिया है। इसके तहत, तहसीलदारों और नायब तहसीलदारों के खिलाफ बिना विभागीय अनुमति के सीधे एफआईआर दर्ज नहीं की जा सकेगी। इस मांग को संघ ने प्रमुखता से उठाया था, जिसके बाद राजस्व सचिव अविनाश चंपावत ने सभी कमिश्नरों और कलेक्टरों को इस आदेश को लागू करने के लिए पत्र जारी किया है।

अक्सर यह देखा गया था कि न्यायालयीन मामलों के निपटारे के बाद असंतुष्ट पक्षकार सीधे पीठासीन अधिकारियों के खिलाफ पुलिस में शिकायतें दायर कर देते थे, जिससे पुलिस एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर देती थी। इससे राजस्व न्यायालय के पीठासीन अधिकारियों को न्यायाधीश संरक्षण अधिनियम 1985 के तहत उचित संरक्षण नहीं मिल पा रहा था।

कई बार असंतुष्ट पक्षकार पीठासीन अधिकारियों के खिलाफ सीधे सिविल न्यायालय में भी वाद दायर कर देते थे। सिविल न्यायाधीश के स्पष्ट निर्देशों के अभाव में पुलिस को प्राप्त शिकायतों की जांच शुरू कर दी जाती थी, जिसके परिणामस्वरूप प्राथमिकी दर्ज की जाती थी।

ज्यूडिशियल ऑफीसर्स प्रोटेक्शन एक्ट 1850 के अंतर्गत न्यायिक अधिकारियों को उनके द्वारा किए गए न्यायालयीन कार्यों या पारित आदेशों के खिलाफ सिविल न्यायालय में मुकदमा चलाने से संरक्षण प्राप्त है। यह संरक्षण इस सिद्धांत पर आधारित है कि न्यायालय के रूप में कार्य करने वाले व्यक्तियों को उनके कर्तव्यों के प्रभावी निष्पादन के लिए भय-मुक्त होना आवश्यक है।

जजेस प्रोटेक्शन एक्ट 1985 के तहत, न्यायाधीशों को उनके न्यायिक कार्यों के दौरान किए गए कार्यों के लिए सिविल या दंडात्मक कार्यवाही से संरक्षण दिया गया है। अधिनियम की धारा 2 (9) के अनुसार, उन सभी व्यक्तियों को न्यायाधीश माना जाएगा जिन्हें विधि द्वारा न्यायिक कार्यवाही में निर्णायक आदेश जारी करने का अधिकार दिया गया है।

इसी प्रकार, धारा 3 (1) के अंतर्गत, कोई भी न्यायालय ऐसे व्यक्तियों के खिलाफ जो न्यायाधीश के रूप में कार्य कर रहे हैं, उनके न्यायालयीन कार्यों के लिए किसी प्रकार की सिविल या दंडात्मक कार्यवाही नहीं करेगा। इस दिशा में,तहसीलदारों और नायब तहसीलदारों के लिए न्यायाधीश संरक्षण अधिनियम को लागू करने का आदेश राजस्व सचिव ने जारी किया है, जिससे अब बिना विभागीय अनुमति के राजस्व अधिकारियों पर अपराध दर्ज नहीं हो सकेगा।

630 करोड़ के घोटाले का हुआ पर्दाफाश

» विवेक ढांड सहित कई रिटायर्ड अफसर फंसे

बिलासपुर, 15 अक्टूबर 2024 (ए)। छत्तीसगढ़ में राज्य स्रोत निःशक्तजन स्रोत संस्थान के नाम पर राज्य के आईएएस व राज्य सेवा संवर्ग के तकरीबन एक दर्जन अफसरों ने जमकर घोटाला किया था। इसी संस्थान में काम करने वाले कर्मचारी कुंदन सिंह ने जनहित याचिका दायर कर मामले की सीबीआई जांच कराने और दोषी अफसरों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। हाई कोर्ट के डिवीजन बेंच ने जब मामले की जांच के लिए सीबीआई को प्रकरण सौंपा तब हाई कोर्ट के आदेश के खिलाफ उस दौर के ताकतवर नौकरशाह सीधे सुप्रीम कोर्ट चले गए। सुप्रीम कोर्ट ने मामले की सुनवाई के बाद सीबीआई जांच पर रोक लगा दी। तब से यह स्थगन आदेश चल रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई जांच पर रोक के साथ ही एक और व्यवस्था दी थी। पूरे मामले की सुनवाई का अधिकार हाई कोर्ट को ही दे दिया था। लिहाजा इस मामले की फाइल एक बार फिर खुल गई है।

जनहित याचिका पर छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट में फाइनल हियरिंग चल रही है। अंतिम सुनवाई के बाद हाई कोर्ट का फैसला भी इस मामले में आना है। याचिकाकर्ता ने पीआईएल में बड़े पैमाने पर हुए भ्रष्टाचार की सीबीआई से जांच की मांग करते हुए हाई कोर्ट के समक्ष दस्तावेज भी पेश किया है। दस्तावेजों की पड़ताल और आला अफसरों के बयान के आधार पर यह बात भी सामने आई थी कि इस पूरे मामले में एक हजार करोड़ से भी ज्यादा के सरकारी धन को अफसरों ने फर्जी दस्तोवजों के आधार पर लूटा है। फाइनल हियरिंग के दौरान हाई कोर्ट के डिवीजन बेंच ने उन अफसरों को तलब किया है जिसने इस फर्जीवाड़े से अपने आपको पाक-साफ बताते हुए खुद ही क्लीन चिट दे दी है। कोर्ट ने ऐसे अफसरों को नोटिस जारी कर जवाब पेश करने कहा है और इनकी सूची भी राज्य सरकार से मांगी है।

मासूम के साथ अनाचार को लेकर जोरदार विरोध-प्रदर्शन

धमतरी/कुरुद, 15 अक्टूबर 2024 (ए)। 4 साल की मासूम बच्ची के साथ हुए बलात्कार व स्वास्थ्य विभाग द्वारा ईलाज में की गई लापरवाही के खिलाफ ऑल इंडिया डेमोक्रेटिक स्टूडेंट्स ऑर्गनाइजेशन ने 14 अक्टूबर को तहसील कार्यालय कुरूद के सामने विरोध प्रदर्शन कर आक्रोश जताया साथ ही ज्ञापन सौंपा गया। जिसमें छात्र संगठन एआईडीएसओ, युवा सगठन एआईडीएवायओ, महिला संगठन एआईएमएसएस द्वारा सौपे गए ज्ञापन में मांग करते हुए कहा है कि बच्ची के पूरे इलाज का खर्चा सरकार द्वारा वहन किया जाए और पूरी व्यवस्था सरकार के देखरेख में हो। इलाज में लापरवाही बरतने वाले डाक्टरों पर उचित कार्यवाही किया जाए। महिलाओं व बच्चियों की सुरक्षा सुनिश्चित किया जाए। नशे, शराब, पोर्नोग्राफी साइट्स व अश्लीलता पर रोक लगाये व बलात्कारियों को सजा देने हेतु कठोर कानून बनाये। सरकारी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, सिविल अस्पताल, जिला अस्पतालो में सभी प्रकार के विशेषज्ञ डॉक्टरों की तत्काल व्यवस्था की जाये पर्याप्त नर्सो व स्टाफ की व्यवस्था की जाये सभी प्रकार की मशीन व ऑपरेटर की व्यवस्था की जाये एवम इलाज में लापरवाही बरतने अधिकारियों कर्मचारियों पर कठोर की जाये। संगठन के पदाधिकारियों ने कहा कि आज हमारे देश को आजाद हुए 76 साल हो गए है लेकिन आज भी महिलाए, बच्चियां सुरक्षित नहीं हैं।

मंत्रिपरिषद की उपसमिति की बैठक आज

रायपुर, 15 अक्टूबर 2024(ए)। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा की अध्यक्षता में कल 16 अक्टूबर सुबह 10 बजे से राजनीतिक आंदोलनों से संबंधित दर्ज प्रकरणों की वापसी के सम्बंध में मंत्रिपरिषद की उपसमिति की बैठक मंत्रालय महानदी भवन में होगी। बैठक में मंत्रिपरिषद के उप समिति के सदस्य उपमुख्यमंत्री अरुण साव, कृषि मंत्री राम विचार नेताम एवं महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े उपस्थित रहेंगे। मंत्रिपरिषद उपसमिति की बैठक में विभिन्न जिलों से प्राप्त विशुद्ध रूप से राजनीतिक आंदोलनों से सम्बंधित दर्ज प्रकरणों की समीक्षा की जायेगी।

जगदलपुर-रायपुर फ्लाइट की कराई गई इमरजेंसी लैंडिंग

जगदलपुर, 15 अक्टूबर 2024 (ए)। जगदलपुर से एक बड़ी खबर सामने आई है. मां दंतेश्वरी एयरपोर्ट पर दोपहर इंडिगो फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। यह फ्लाइट दोपहर 1 बजे जगदलपुर से रायपुर के लिए उड़ान भरी थी, लेकिन उड़ान के महज 12 मिनट बाद ही खिड़की टूटने के चलते आपातकालीन लैंडिंग करानी पड़ी। मिली जानकारी के अनुसार, फ्लाइट के एक हिस्से की खिड़की टूटने से यह आपात स्थिति उत्पन्न हुई। पायलट ने तत्काल सतर्कता दिखाते हुए फ्लाइट को सुरक्षित रूप से वापस एयरपोर्ट पर उतार लिया। यह लैंडिंग 1 बजकर 12 मिनट पर कराई गई। राहत की बात यह है कि फ्लाइट में सवार सभी यात्री सुरक्षित हैं, किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। एयरलाइंस की टीम द्वारा तकनीकी खराबी की जांच की जा रही है।

बताया जा रहा है कि फ्लाइट में 70 यात्री सवार थे। इमरजेंसी लैंडिंग के बाद जब इंडिगो ने 70 यात्रियों में से कुछ को फ्लाइट टिकट के पैसे वापस किए, तो कुछ यात्रियों ने अगले दिन की फ्लाइट के लिए टिकट बुक करा लिया।

छत्तीसगढ़ से गया के लिए सीधी ट्रेन शुरू

हर बुधवार की शाम 7 बजे ट्रेन रवाना होगी

रायपुर, 15 अक्टूबर 2024 (ए)। वैसे तो पिंडदान, तर्पण और श्राद्ध कर्म के लिए भारत में कई जगहें हैं लेकिन फल्गु नदी के तट पर स्थित गया शहर का अपना विशेष महत्व है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, सर्वपितृ अमावस्या के दिन गया में पिंडदान करने से 108 कुल और 7 पीढ़ियों का उद्धार हो जाता है और पितरों की आत्मा को शांति मिलती है। साथ ही पितरों को मोक्ष की प्राप्ति होती है इसलिए इस स्थान को मोक्ष स्थली कहा जाता है। पुराणों में बताया गया है कि प्राचीन शहर गया में भगवान विष्णु स्वयं पितृदेव के रूप में निवास करते हैं लेकिन गया जाने के लिए अब तक प्रदेश से सीधी ट्रेन नहीं थी, जिससे यात्रियों को ट्रेन बदलकर जाना पड़ता था, लेकिन अब छत्तीसगढ़ के लोगों को गया के लिए सीधी ट्रेन मिलने वाली है। छत्तीसगढ़ के यात्रियों को राहत मिलने वाली है। रेलवे बोर्ड ने गया-लोकमान्य तिलक (एलटीटी) के बीच नई ट्रेन चलाने की घोषणा की है। यह ट्रेन स्वछत्र में बिलासपुर, रायपुर, दुर्ग और नागपुर होकर गुजरेगी. ट्रेन का परिचालन गया से हर बुधवार और एलटीटी से हर शुक्रवार को होगा। ऐसे में गया और एलटीटी जाने वाले यात्रियों को काफी राहत मिलने की उम्मीद है। जोन से गया जाने के लिए यह पहली सीधी ट्रेन होगी। पिंडदान के लिए गया जाने वालों को अब आसानी होगी। दीपावली के पूर्व रेलवे बोर्ड ने यात्रियों को एक नई ट्रेन की सौगात दी है। रेलवे ने गया-लोकमान्य तिलक (एलटीटी) के बीच ट्रेन चलाएगा। यह कोई स्पेशल ट्रेन नहीं, नियमित गाड़ी है. गया रेलवे स्टेशन से हर बुधवार की शाम 7 बजे ट्रेन रवाना होगी।

हड़ताल नहीं करेंगे कर्मचारी संघ

मांगों पर शासन से मिला आश्वासन

रायपुर, 15 अक्टूबर 2024 (ए)। कर्मचारियों की समस्याओं और मांगों पर विचार करने के लिए आईएएस निहारिका बारिक की अध्यक्षता में गठित अफसरों की कमेटी के साथ कर्मचारी संगठनों के प्रतिनिधियों की बैठक खत्म हो गई है। बैठक से बाहर निकले कर्मचारी नेताओं ने कमेटी के रुख को बेहद सकारात्मक बताया। कहा कि कमेटी ने सभी मांगों को ध्यान से सुना और उस पर कार्यवाही का आश्वासन दिया है। बैठक के लिए अधिकारी-कर्मचारी संघ, राजपत्रित अधिकारी संघ और तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ को बुलाया गया था। कर्मचारी नेताओं ने बताया कि कमेटी के सदस्यों ने सभी मांगों को गंभीरता से सुना। दूसरे राज्यों में लागू नियम और व्यवस्था के संबंध में कमेटी ने उन राज्यों के आदेश की प्रति उपलब्ध कराने का आग्रह किया है ताकि उसका अध्ययन किया जा सके। कर्मचारी संगठनों की तरफ से महंगाई भत्त का भी मांग उठाया गया। इस पर कमेटी की बैठक में मौजूद वित्त विभाग के अधिकारी को इस मामले में विभागीय सचिव को अवगत कराने और समाधान निकालने के लिए कहा गया है। कर्मचारी नेताओं की तरफ से बताया गया कि बैठक करीब एक घंटे से ज्यादा चली, इस मामले में कमेटी ही तरफ से अधिकृत बयान जारी किया जाएगा।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)